● वर्ष : 17 ● अंक : 116 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित शुक्रवार 13 फरवरी 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

ब्राजील के राष्ट्रपति 5 दिवसीय यात्रा पर भारत आएंगे, होगी द्विपक्षीय वार्ता

एजेंसी। नई दिल्ली

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द सिल्वा 18 से 22 फरवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। वे एआई शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। सम्मेलन में फ्रांस के राष्ट्रपति भी शिरकत कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा 18 से 22 फरवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। राष्ट्रपति लूला दिल्ली में 19 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाले दूसरे एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि अपनी राजकीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति लूला प्रधानमंत्री मोदी के साथ 21 फरवरी को द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। 21 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति लूला की मेजबानी करेंगी और इस दौरान भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उनसे मुलाकात करेंगे। वार्ता के दौरान दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा अतिथि के सम्मान में दोपहर के भोजन का आयोजन किया जाएगा। दोनों नेता बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग, सुधारित बहुपक्षवाद, वैश्विक शासन और वैश्विक दक्षिण से संबंधित मुद्दों सहित पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करेंगे। राष्ट्रपति लूला के साथ उनकी सरकार के मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आ रहा है। प्रतिनिधिमंडल से जुड़े भी कई कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। राष्ट्रपति लूला का दौरा दोनों पक्षों को बाइलेटरल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को और मज़बूत करने और आपसी हितों के मुद्दों पर बाइलेटरल, रीजनल और ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर सहयोग को और गहरा करने के लिए एक आगे का एजेंडा बनाने का मौका देगा। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति लूला की राजकीय यात्रा दोनों पक्षों को द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर पारस्परिक हित के मुद्दों पर सहयोग को और गहरा करने के लिए एक दूरदर्शी एजेंडा तैयार करने का अवसर प्रदान करेगी। राष्ट्रपति लूला की राजकीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू उनके सम्मान में भोज का आयोजन करेंगी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भी राष्ट्रपति लूला से मुलाकात करेंगे। ब्राजील के राष्ट्रपति के साथ लगभग 14 मंत्रियों और ब्राजील की कंपनियों के शीर्ष सीईओ का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल आने की उम्मीद है। साथ आए मंत्री अपने भारतीय समकक्षों से मुलाकात करेंगे। ब्राजील के राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान आयोजित होने वाले बिजनेस फोरम में सीईओ के भाग लेने की उम्मीद है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि आगामी यात्रा राष्ट्रपति लूला की भारत की छठी यात्रा होगी। उन्होंने पहली बार 2004 में गणतंत्र दिवस समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत का दौरा किया था और अंतिम बार सितंबर 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत आए थे। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति लूला इस बीच लगातार मिलते रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी 7-8 जुलाई 2025 को ब्रासीलिया की राजकीय यात्रा पर थे। यह पिछले 57 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली राजकीय यात्रा थी। दोनों नेता नवंबर 2025 में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान जोहान्सबर्ग में भी मिले थे।

पीएम मोदी आज सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली में सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 और 2 का उद्घाटन करने वाले है। वे शाम करीब 6 बजे सेवा तीर्थ में कार्यक्रम को संबोधित भी करने वाले है। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दोपहर करीब 1:30 बजे सेवा तीर्थ बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स का नामकरण करने वाले है। इसके बाद वे सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 और 2 का औपचारिक उद्घाटन करने वाले है। यह उद्घाटन भारत के प्रशासनिक शासन संरचना में एक बड़ा बदलाव साबित होगा। यह प्रधानमंत्री के एक मॉडर्न, कुशल, सुलभ और नागरिक-केंद्रित गवर्नेंस इकोसिस्टम बनाने के वादे को दिखाता है। कई दशकों से कई जरूरी सरकारी ऑफिस और मंत्रालय सेंट्रल विस्टा एरिया में अलग-अलग जगहों पर बने हुए थे और पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर से काम करते थे। इससे ऑपरेशनल खामियां, कोऑर्डिनेशन की चुनौतियां, बढ़ते मेंटेनेंस खर्च और काम न कर पाने लायक स्थिति बनी हुई थी। लेकिन नए बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स, मॉडर्न और भविष्य के लिए तैयार सुविधाओं के अंदर प्रशासनिक कार्यों को एक साथ करके इन समस्याओं का समाधान करते हैं।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

जातिगत भेदभाव पर बाजिव है विपक्ष की चिंता?

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसका संविधान है, जिसने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के आदर्शों को राष्ट्र जीवन का आधार बनाया। बावजूद इसके समय-समय पर जाति-संप्रदाय और धर्म के नाम पर भेदभाव किए जाने और हिंसा एवं मावलिंचिंग जैसी कष्टप्रद घटनाएं जब सामने आती हैं तो बेहद अफसोस होता है। ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक व्यवहार के बीच अब भी एक गहरी खाई मौजूद है। इस खाई को पाटने की बजाय और चौड़ी करने का कुत्सित कार्य गंदी राजनीति करने वाले तथाकथित नेता करते देखे जाते हैं। हर चुनाव से पहले इस पर चर्चा होती है और बदस्तूर घटनाएं भी होती हैं, इसलिए सभी कटघरे में खड़े होते हैं, फिर चाहे वह सत्ता पक्ष हो या विपक्ष।

बहरहाल राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाया गया जातिगत भेदभाव का मुद्दा इसी खाई की ओर ध्यान आकर्षित करता है। इस संदर्भ में विपक्ष की चिंता न केवल उचित है, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श का आवश्यक हिस्सा भी है। ओडिशा के एक आंगनवाड़ी केंद्र में दलित महिला द्वारा भोजन बनाए जाने के कारण बच्चों के बहिष्कार की घटना केवल एक स्थानीय विवाद नहीं मानी जा सकती। यह उस मानसिकता का प्रतीक है, जो आधुनिक भारत के विकास और प्रगति के दावों को चुनौती देती है। आंगनवाड़ी केंद्र देश के सबसे संवेदनशील सामाजिक संस्थानों में से हैं, जहां बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा की नींव रखी जाती है।

यदि वहीं जातिगत पूर्वाग्रह के आधार पर बहिष्कार जैसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो यह न केवल एक कर्मचारी का अपमान है, बल्कि उन बच्चों के अधिकारों का भी हनन है, जिन्हें समान अवसर और पोषण मिलना चाहिए। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि संविधान का अनुच्छेद 14 सभी को कानून के समक्ष समानता का अधिकार देता है। अनुच्छेद 15 धर्म, जाति, लिंग आदि के आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है, जबकि अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता के उन्मूलन की स्पष्ट घोषणा करता है। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 21(क) शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करता है और अनुच्छेद 47 राज्य को पोषण स्तर और जनस्वास्थ्य सुधारने की जिम्मेदारी सौंपता है। यदि जातिगत सोच के कारण पोषण कार्यक्रमों का बहिष्कार होता है, तो यह इन संवैधानिक प्रावधानों की भावना के विपरीत है। अतः ऐसे तमाम मामलों और घटित हुई घटनाओं की जितनी निंदा की जाए कम होगी। राज्यसभा में कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने इस संबंध में जिन अन्य घटनाओं का उल्लेख किया उनमें मध्य प्रदेश में आदिवासी मजदूर के साथ अमानवीय व्यवहार, गुजरात में दलित कर्मचारी की आत्महत्या और चंडीगढ़ में संस्थागत भेदभाव जैसी घटनाएं भी शामिल हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

लाल किला हमले में जैश-ए-मोहम्मद का हाथ, यूएन रिपोर्ट ने पाकिस्तान के दावों की खोली पोल

न्यूयार्क। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 1267 प्रतिबंध निगरानी समिति की ताजा रिपोर्ट ने वैश्विक मंच पर पाकिस्तान के आतंकी दावों को बड़ा झटका दिया है। इस रिपोर्ट में आधिकारिक तौर पर यह दर्ज किया गया है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर हुए भीषण आतंकवादी हमले में शामिल था। भारत के लिए इसे एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक जीत माना जा रहा है, क्योंकि पाकिस्तान वर्षों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह झूठ बोलता रहा है कि उसकी धरती पर सक्रिय आतंकी संगठन अब बेअसर या निष्क्रिय हो चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद न केवल भारत में अपनी हिंसक गतिविधियों को जारी रखे हुए है, बल्कि वह अब अपनी संगठनात्मक क्षमताओं का विस्तार भी कर रहा है। सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट में एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया गया है कि इस आतंकी समूह ने जमात-उल-मुमिनात नामक एक समर्पित महिला विंग स्थापित करने की योजना बनाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, जैश के सरगना मौलाना मसूद अज़हर अल्वी ने पिछले वर्ष 8 अक्टूबर को औपचारिक रूप से इस महिला शाखा की स्थापना की घोषणा की थी, जिसका मुख्य उद्देश्य भविष्य के आतंकवादी हमलों के लिए रसद और समर्थन जुटाना है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर राहुल का संसद में बयान 'झूठ का पुलिंदा': पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा बजट चर्चा के दौरान लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें झूठ का पुलिंदा करार दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर गलत जानकारी दी है और इसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। गोयल ने यहां पत्रकारों से कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में किसानों और भारतीय हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है। किसानों की लगभग 90-95 प्रतिशत उपज जैसे डेयरी, पोल्ट्री, चावल, गेहूं, सोयाबीन, मक्का, केला, स्ट्रॉबेरी, चेरी, संतरा, सब्जियां, इथेनॉल, तंबाकू, मीट, दालें, ज्वार, बाजरा और रागी इस समझौते से बाहर रखी गई हैं। केवल वही उत्पाद अमेरिका के लिए खोले गए हैं जिनकी भारत को आवश्यकता है और जिनसे भारतीय किसानों को कोई नुकसान नहीं होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस समझौते से किसानों और मछुआरों के उत्पादों का निर्यात वर्तमान 5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। इससे किसानों की आय दोगुनी होगी और उन्हें वैश्विक बाजारों तक निर्बाध पहुंच मिलेगी। किसान खाद्य प्रसंस्करण और मत्स्य प्रसंस्करण की आधुनिक मशीनें लगा पाएंगे और कृषि विकास फंड से उन्हें योजनाओं का लाभ मिलेगा। गोयल ने कहा कि राहुल गांधी, कांग्रेस और उनके सहयोगी दल जैसे डीएमके, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी पार्टियां विकास के खिलाफ हैं। मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ रही है और देश तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन विपक्ष इसे देख नहीं पा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय बजट की सराहना कर आर्थिक विकास के लिए अहम बताया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वित्त मंत्री का भाषण साझा करते हुए केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना की और इसे आर्थिक विकास के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट सुधारों, छोटे उद्योगों, कौशल विकास, आधुनिक ढांचे के साथ स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों और देश के विकास के लिए सार्थक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि लोकसभा में अपने भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बात का विस्तृत विवरण दिया कि इस वर्ष का बजट देश के आर्थिक परिवर्तन में किस प्रकार योगदान देगा। उन्होंने रिफॉर्म एक्सप्रेस, एमएसएमई को समर्थन, कौशल विकास, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों और अन्य पहलुओं पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि वित्त मंत्री ने इस बात का व्यापक विवरण दिया कि बजट राष्ट्र के आर्थिक परिवर्तन में किस प्रकार योगदान देगा। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 01 फरवरी को संसद में वित्तीय वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश किया। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव और निवेश की बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह बजट, सतत विकास और राजकोषीय अनुशासन पर ध्यान देने की बात दोहराता है।

भारत बंद: कहीं बाजार बंद रहे तो कहीं ट्रांसपोर्ट व्यवस्था लड़खड़ाई, कहीं-कहीं मामूली झड़प हुई

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को देशव्यापी आम हड़ताल का आह्वान करते हुए भारत बंद का ऐलान किया है। इसका असर आज देश के कई राज्यों में दिखाई दिया है। जरुरी सेवाओं को छोड़कर, राज्यों में दुकानें, बाजार और ट्रांसपोर्टेशन की सुविधाएं बाधित हुई हैं। कहीं कहीं मामूली झड़पें होने की भी खबरें हैं। इसका प्रभाव मध्य प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। प्रदेश में सरकारी और निजी बैंक, बीएसएनएल, बीमा तथा डाक विभाग सहित कई केंद्रीय कार्यालयों की सेवाओं पर भी असर हुआ हैं। हालांकि रेलवे सेवाएं सामान्य है। आईएनटीयूसी, एआईटीयूसी, एचएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी, सेवा सहित बैंक, बीमा, केंद्रीय कर्मचारी और बीएसएनएल से जुड़े संगठनों ने हड़ताल को समर्थन दिया है। इस भारत बंद का असर सर्वाधिक गैर भाजपा शासित राज्यों में देखा गया है जबकि भाजपा शासित राज्यों में मिलाजुला असर रहा है।

दिल्ली और एनसीआरः बॉर्डर पर सुरक्षा सख्त : दिल्ली के गाजीपुर और सिंघु बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। चूँकि प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने की योजना बना रहे हैं, इसलिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यातायात की गति धीमी हो गई है। दिल्ली आने-जाने वाली सरकारी अंतरराज्यीय बसों की संख्या में भारी कमी दर्ज की गई है।

उत्तर प्रदेश और बिहार में असर : उत्तर प्रदेश के पश्चिमी जिलों में हड़ताल का आंशिक असर है। हालांकि यहाँ स्थानीय परिवहन चालू है। सरकारी बसों के न चलने से सबसे ज्यादा परेशानी छात्रों, दैनिक यात्रियों और उन लोगों को हो रही है जो इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर जा रहे हैं। रेलवे स्टेशनों पर भीड़ अचानक बढ़ गई है क्योंकि बस सेवा का विकल्प न मिलने पर लोग ट्रेनों की ओर रुख कर रहे हैं। वहीं पटना में भी लेफ्ट संगठन और मजदूर संगठनों के द्वारा हड़ताल को प्रभावी बनाने के लिए जुलूस और प्रदर्शन किया गया। बंगला चौराहे पर सैकड़ो की संख्या में पहुंचे लेफ्ट नेताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सरकार के द्वारा जो मजदूर विरोधी कानून लाया गया है इसे तत्काल वापस लेने की मांग की।

भारत ने पहली बार मल्टीनेशनल कंबाइंड टास्क फोर्स-154 की कमान संभाली

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर क्षेत्र और उससे भी आगे समुद्री सुरक्षा और क्षमता निर्माण के लिए पहली बार बहुराष्ट्रीय संयुक्त कार्य बल (सीटीएफ) 154 की कमान संभाल ली है। इसे भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करने वाले एक ऐतिहासिक घटनाक्रम के रूप में माना जा रहा है। कमांड संभालने पर भारतीय नौसेना का मकसद उच्च प्रभावी प्रशिक्षण पहल प्रदान करना और शांति, समृद्धि एवं सुरक्षा के लिए वैश्विक समुद्री साझीदारी को मजबूत बनाना शामिल है। मल्टीनेशनल कंबाइंड टास्क फोर्स संभालने वाले समारोह का आयोजन 11 फरवरी को बहरीन के मनामा स्थित संयुक्त समुद्री बल (सीएमएफ) मुख्यालय में हुआ, जिसकी अध्यक्षता अमेरिकी नौसेना के वाइस एडमिरल कर्ट रेनशॉ ने की। इस अवसर पर भारत के उप नौसेना प्रमुख वाइस एडमिरल तरुण सोबती और अन्य सदस्य देशों के वरिष्ठ सैन्य प्रमुख उपस्थित थे। इसी कार्यक्रम में इटली की नौसेना के कमोडोर एंड्रिया बिएली ने मल्टीनेशनल मैरीटाइम ट्रेनिंग टास्क फोर्स की कमान भारतीय नौसेना के कमोडोर मिलिंद मोकाशी को सौंप दी। वाइस एडमिरल रेनशॉ ने कहा कि कोमोडोर बिएली के नेतृत्व में सीटीएफ-154 की इटली की पहली कमांड के दौरान इस टास्क फोर्स ने बड़ी सफलता हासिल की है।

असम में मुस्लिम बहुल जिलों में बढ़े वोटर, आदिवासी क्षेत्रों में घटे, 2.43 लाख नाम हटे

गुवाहाटी। असम में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के समापन के बाद मंगलवार को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। इस नई सूची में बड़े पैमाने पर फेरबदल देखने को मिला है, जहां मसौदा सूची की तुलना में कुल 2.43 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। यह कमी मसौदा सूची के कुल नामों का लगभग 0.97 प्रतिशत है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, असम के 35 जिलों में से 24 जिलों में मतदाताओं की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि 11 जिलों में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। आंकड़ों का विश्लेषण करने पर एक विशिष्ट जनसांख्यिकीय पैटर्न सामने आया है। राज्य के अधिकांश मुस्लिम-बहुल जिलों में मसौदा सूची की तुलना में अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि देखी गई है। इसके विपरीत, बहुसंख्यक आदिवासी आबादी वाले तीन पहाड़ी जिलों और बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पांच जिलों में मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई है। इसके साथ ही कामरूप और गुवाहाटी शहर वाले कामरूप (मेट्रोपॉलिटन) जिलों में भी मतदाताओं की संख्या कम हुई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों ने एक त्रुटि मुक्त मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए गहनता से काम किया है।

वायु सेना के लिए फ्रांस से 114 राफेल जेट्स खरीदने को केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे से पहले केंद्र सरकार ने लंबे इंतजार के बाद वायु सेना के लिए फ्रांस से 114 राफेल फाइटर जेट खरीदे जाने को गुरुवार को मंजूरी दे दी। इसमें 18 विमान सीधे फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन कंपनी से निर्मित होकर भारत आएंगे। शेष 96 विमान भारत में निजी कंपनियों के साथ साझेदारी में बनाए जाएंगे। इनमें से कई ट्विन-सीटर ट्रेनिंग वर्जन भी होंगे। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) से गुरुवार को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) मिलने के बाद व्यावसायिक वार्ता शुरू होगी, फिर अंतिम मंजूरी प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) देगी। रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में आज डीएसी की बैठक साउथ ब्लॉक में हुई, जिसमें सशस्त्र सेनाओं के लिए कई अहम फैसले हुए। केंद्र ने फ्रांस के साथ सरकार से सरकार सौदे के तहत वायु सेना के लिए 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने को मंजूरी दे दी है। इन विमानों में 40-50 फीसदी मेक इन इंडिया हथियारों को इंटीग्रेट करने का पूरा अधिकार होगा। फ्रांस के साथ 3.25 लाख करोड़ रुपये का यह सैन्य हार्डवेयर सौदा किसी भी देश के साथ अब तक हुए अनुबंध से कम से कम पांच गुना बड़ा है। भारत के पास अभी 36 राफेल हैं और इस सौदे से 150 विमान हो जाने पर देश की हवाई ताकत कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर ने एक दिन पहले ही प्रेस कांफ्रेंस में बताया था कि ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारत ने पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमला किया, जिसमें राफेल एक 'हीरो' था। अब इस सौदे के लिए मंजूरी मिलने के बाद भारत के पास कुल राफेल ऑर्डर 186 जेट्स हो जाएंगे, क्योंकि भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम का 63 हजार करोड़ का पहले ही ऑर्डर दिया जा चुका है।

महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती पर राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। नई दिल्ली

स्वराज, स्वदेशी और स्वावलंबन के प्रणेता तथा आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों सहित देश के शीर्ष नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया पर अपने एक्स संदेश में कहा कि महान संत एवं समाज-सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती ने प्राचीन भारतीय संस्कृति और अध्यात्म के तर्कसंगत स्वरूप का प्रसार करते हुए समाज और शिक्षा पद्धति को अमूल्य दिशा दी। उन्होंने कहा कि स्वामी द्वारा स्थापित आध्यात्मिक एवं शैक्षणिक संस्थान आज भी देश को लाभान्वित कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने देशवासियों से उनके दिखाए मार्ग पर चलकर भारत को विश्व पटल पर अग्रणी राष्ट्र बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आर्य समाज के प्रवर्तक महर्षि दयानंद को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अंधविश्वास, आडंबर और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। शिक्षा के प्रसार, नारी सशक्तिकरण और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में उनका योगदान राष्ट्र को नई वैचारिक दिशा देने वाला रहा है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि महर्षि दयानंद ने 'सत्यार्थ प्रकाश' के माध्यम से वैदिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया और समाज को कुरीतियों के त्याग तथा स्त्री शिक्षा के लिए प्रेरित किया। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने उन्हें प्रखर सुधारवादी विचारक बताते हुए श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि स्वामी दयानंद ने वैदिक ज्ञान और भारतीय संस्कृति की मूल भावना को पुनर्जीवित करते हुए समाज को अज्ञान और कुरीतियों से मुक्त करने का आह्वान किया। शिक्षा और सामाजिक समानता के लिए उनका संघर्ष राष्ट्र जागरण की आधारशिला बना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दयानंद सरस्वती को नमन करते हुए 'वेदों की ओर लौटो' उनके आह्वान को सांस्कृतिक जागरण की नई धारा बताया।

महर्षि दयानंद सरस्वती के सामाजिक सुधार के प्रयास देशवासियों के लिए प्रेरणापुंजः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण करते हुए नमन किया। उन्होंने कहा कि मां भारती की सेवा में आजीवन समर्पित रहे महर्षि दयानंद का जीवन ज्ञान, सेवा और सामाजिक सुधार का प्रतीक है। उन्होंने शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और परंपरा को समृद्ध करने में अतुलनीय योगदान दिया। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती के सामाजिक सुधार के प्रयास देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणापुंज बने रहेंगे। उन्होंने उनके योगदान को राष्ट्र निर्माण से जोड़ते हुए नमन किया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में ज्ञान के महत्व को बताते हुए संस्कृत में सुभाषित साझा किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान का दीपक न केवल अज्ञान के अंधकार को मिटाता है, बल्कि समस्त जगत को आलोकित भी करता है। उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती के दिव्य व्यक्तित्व को इसका साक्षात उदाहरण बताया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर संस्कृत श्लोक साझा किया, ऊर्ध्वमूलमधःशाखमश्वत्थं प्राहुरव्ययम्। छन्दांसि यस्य पर्णानि यस्तं वेद स वेदवित्।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

ईडी समन केस में ट्रायल कोर्ट से बरी होने पर केजरीवाल ने हाई कोर्ट से याचिका वापस ली

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी घोटाला के मामले मेंपूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन पर पेश नहीं होने के मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से समन जारी किए जाने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय से वापस ले लिया है। केजरीवाल के वकील ने कहा कि चूंकि इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने बरी कर दिया है, ऐसे में वे याचिका वापस ले रहे हैं। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने कहा कि वे ट्रायल कोर्ट की ओर से केजरीवाल को बरी करने के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती देंगे। बता दें कि, 22 जनवरी को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी की ओर से जारी समन पर पेश नहीं होने के मामले में केजरीवाल को ईडी की ओर से जारी समन के मामले में बरी कर दिया था। एडिशनल जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास पारस दलाल ने केजरीवाल को बरी करने का आदेश दिया था। दरअसल, ईडी ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के पहले ईडी ने केजरीवाल के पूछताछ के लिए जारी समन पर पेश न होने के चलते दो शिकायतें कोर्ट में दाखिल की थी। केजरीवाल के खिलाफ ये मामला ईडी के समन की अवहेलना करने की थीं। ये शिकायतें केजरीवाल के खिलाफ उनकी गिरफ्तारी से पहले दायर की थी।

पश्चिम बंगाल सरकार केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन में जानबूझकर रुकावट डाल रही : सामिक भट्टाचार्य

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद सामिक भट्टाचार्य ने गुरुवार को राज्यसभा में पश्चिम बंगाल सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार केंद्रीय सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में जानबूझकर रुकावट डाल रही है। इस कारण जनता आवश्यक लाभों से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग केंद्रीय बजट की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति पर भी नजर डालनी चाहिए। उन्होंने भूमि अधिग्रहण और रेलवे लाइनों से जुड़ी समस्याओं का भी उल्लेख किया। बजट पर चर्चा के दौरान सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल से पूंजी, छात्रों, श्रमिकों और प्रतिभा का पलायन क्यों हो रहा है। यह बजट विकासोन्मुखी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसान खुश हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल के किसान असंतुष्ट हैं और आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है। उन्होंने कहा, "मैं ऐसे राज्य से आता हूं जो वृद्धाश्रम बनता जा रहा है। पश्चिम बंगाल से पूंजी, छात्र, श्रमिक और प्रतिभा का पलायन हो रहा है।" उन्होंने कहा कि यदि इस समय देशव्यापी समावेशी विकास हासिल करना है तो मजबूत संघीय ढांचे की आवश्यकता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने बजट को खास आदमी का बजट बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण भारत में हर 10 में से 5 लोगों के पास पर्याप्त इंटरनेट सुविधा नहीं है। ऐसे में न्यूनतम डिजिटल पहुंच के बावजूद मनरेगा श्रमिकों से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने, ऐप का उपयोग करने, बैंक खातों के माध्यम से भुगतान लेने और ई-केवाईसी कराने की अपेक्षा की जा रही है। उन्होंने लोगों से भाषण में "मिडिल क्लास" शब्द खोजने को कहा और दावा किया कि 5 में से 4 भारतीय प्रतिदिन 117 रुपये से कम कमाते हैं, जबकि घरेलू बचत पिछले 50 वर्षों के निचले स्तर पर पहुंच गई है। दूसरा शब्द उन्होंने "बेरोजगारी" खोजने को कहा। उन्होंने कहा कि हर 3 में से 1 युवा शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण में नहीं है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री चर्चा का जवाब देंगी, लेकिन असली जवाब दो महीने बाद तमिलनाडु और केरल से तथा फरवरी 2027 में उत्तर प्रदेश से मिलेगा। उन्होंने लोकसभा में एक अन्य सदस्य के वक्तव्य को उद्धृत करते हुए कहा कि जब तक आप जीएसटी अधिनियम में लिखी बात और एक गरीब परिवार की किराने की पर्ची पर लिखी बात का अंतर नहीं समझेंगे, तब तक आप अपनी भारत में रहेंगे और हमें हमारे भारत में रहने दीजिए।

औद्योगिक संबंध संहिता संशोधन विधेयक 2026 पर लगी संसद की मुहर

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। 'औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026' को राज्यसभा ने भी गुरुवार को पारित कर दिया। इसके साथ राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। यह विधेयक आज ही लोक सभा में पारित किया जा चुका है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने राज्यसभा में औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 को विचार और पास करने के लिए में पेश किया था। डा. मनसुख मांडविया ने सदन में विधयेक पर चर्चा के दौरान बताया कि इस विधेयक का मकसद इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड, 2020 में बदलाव करना है। डा. मनसुख मांडविया ने सदन को बताया कि ट्रेड यूनियन अधिनियम 1926, औद्योगिक रोजगार (स्थायी आदेश) अधिनियम 1946 और औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 को मिला कर एक एक्ट बनाया गया था। उसमें कानूनी स्पष्टता के लिए ये अमेंडमेंट लाया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार के पास किसी एक्ट को निरस्त करने का अधिकार है। लेकिन भविष्य में कोई मुद्दा न बने, इसलिए इस अधिनियम में यह संशोधन लाया गया है। उन्होंने विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि कोई कहता है 12 घंटे काम करना होगा, 14 घंटे काम करना होगा। डा. मनसुख मांडविया ने कहा कि अरे भाई! 12 घंटे का सवाल ही नहीं है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के प्रस्ताव के मुताबिक सप्ताह में 48 घंटे की ही शिफ्ट होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले सरकार मिनिमम मजदूरी की एडवाइजरी जारी करती थी। उसे मानना या नहीं मानना राज्य के अधिकार में था। अब कानून में न्यूनतम वेतन की गारंटी है, हमारे न्यूनतम मजदूरी से नीचे कोई राज्य मिनिमम वेज नहीं रख सकता।" लोकसभा ने आज ही औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित कर दिया था, जिसका मकसद इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड, 2020 में बदलाव करना है। इसके साथ ही संसद के दोनों सदनों से इस विधेयक को मंजूरी मिल गई है। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह विधयेक कानून बन जाएगा। उल्लेखनीय है कि संसद से पारित औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 के उद्देश्यों और कारणों के विवरण के अनुसार औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, ट्रेड यूनियन अधिनियम 1926, औद्योगिक रोजगार (स्थायी आदेश) अधिनियम, 1946 और औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 का स्थान लेगी, जो व्यापार यूनियनों, औद्योगिक इकाइयों में रोजगार और औद्योगिक विवादों से संबंधित है।

सुरक्षित माइग्रेशन को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर रहे विदेश मंत्रालय और आईओएम

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारत का विदेश मंत्रालय और इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) सुरक्षित एवं व्यवस्थित प्रवासन को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए विदेश मंत्रालय ने अब आईओएम तथा इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) के साथ मिलकर ग्लोबल कॉम्पैक्ट फॉर सेफ, ऑर्डरली एंड रेगुलर माइग्रेशन (जीसीएम) के तहत भारत की पहल पर एक नेशनल कंसल्टेशन आयोजित किया। इस दौरान विदेश मंत्रालय, यूएन तथा आईओएम के आला अधिकारियों की मौजूदगी में विभिन्न सत्र आयोजित हुए, जिनमें रीजनल और ग्लोबल माइग्रेशन प्रोसेस पर विस्तृत चर्चा हुई। इस मौके पर भारतीय युवाओं, स्किल्ड प्रोफेशनल्स और स्टूडेंट्स के इंटरनेशनल माइग्रेशन तथा मोबिलिटी पर 'प्रयास' मैपिंग रिपोर्ट लॉन्च की गई। यह रिपोर्ट आईओएम इंडिया की विदेश मंत्रालय व आईसीडब्ल्यूए के साथ पार्टनरशिप में एक पहल है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 12 फरवरी को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया विदेश मंत्रालय ने आईओएम के साथ मिलकर ग्लोबल कॉम्पैक्ट फॉर सेफ, ऑर्डरली एंड रेगुलर माइग्रेशन के तहत भारत की पहल पर एक नेशनल कंसल्टेशन ऑर्गनाइज किया। मंत्रालय में सचिव (सीपीवी एवं ओआईए) श्रीप्रिया रंगनाथन, यूएन रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर स्टीफन प्रीसनर और आईओएम इंडिया हेड ऑफ ऑफिस संजय अवस्थी ने उद्घाटन सेशन में हिस्सा लिया। मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे बताया चर्चाओं में रीजनल और ग्लोबल माइग्रेशन प्रोसेस में भारत की चल रही भागीदारी और सेफ, ऑर्डरली तथा रेगुलर माइग्रेशन से जुड़ी भारत की पहल, अनुभव एवं नई प्राथमिकताओं को शेयर करने को दिखाया गया। बता दें कि विदेश मंत्रालय आईओएम के साथ मिलकर कई पहलों के तहत माइग्रेशन को सरल, सहज एवं सुरक्षित बनाने को लेकर काम कर रहा है। उदाहरण के तौर पर दिसंबर 2023 में लॉन्च किया गया 'प्रोजेक्ट प्रयास' भारतीय युवाओं और कुशल पेशेवरों के लिए सुरक्षित एवं नियमित प्रवासन की सुविधा प्रदान करता है। इसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वय को मजबूत करना है। इसके अलावा विदेश मंत्रालय का इंडिया सेंटर फॉर माइग्रेशन (आईसीएम) तथा आईओएम भारत में डेटा-सूचित और प्रवासी-केंद्रित प्रवासन प्रबंधन ढांचे को मजबूत करने के लिए एक परियोजना पर काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार ओवरसीज मोबिलिटी (सुरक्षा एवं कल्याण) विधेयक लाने की प्रक्रिया में भी है, जो 1983 के उत्प्रवास अधिनियम (इमिग्रेशन एक्ट) की जगह लेगा और अंतरराष्ट्रीय समझौतों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक तंत्र बनाएगा, जोकि विदेश में रोजगार के लिए सुरक्षित एवं नियमित प्रवासन को बढ़ावा देगा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर राहुल की दो टूक- भारत के किसानों के साथ खड़ा हूँ और एक इंच भी पीछे नहीं हटूँगा, चाहे मेरे खिलाफ केस दर्ज हों या विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव आए

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार कटघरे में खड़ा कर रहे लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने दो टूक शब्दों में कहा है कि वह किसानों के मुद्दे पर सच्चाई रखते रहेंगे, चाहे उनके खिलाफ केस दर्ज किए जाएं या विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाया जाए। उन्होंने दोहराया कि वह भारत के किसानों के साथ खड़े हैं और एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे। अपने वीडियो संदेश में राहुल गांधी ने कहा है कि किसान विरोधी नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों के हितों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाथों बेच दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के जरिए कपास, सोयाबीन, मक्का, सेब और फल उत्पादक किसानों को नुकसान पहुंचाया गया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दोहराया कि किसान हिंदुस्तान की नींव हैं और देश की खाद्य सुरक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी ने संघर्ष किया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारी खाद्य सुरक्षा और किसानों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि वर्षों से विदेशी ताकतें भारत के कृषि बाजार पर कब्जा करने की कोशिश कर रही थीं और अब प्रधानमंत्री मोदी ने उनके लिए दरवाजा खोल दिया है। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नरेंद्र मोदी की लगाम पकड़ी हुई है। राहुल गांधी ने कहा कि मक्का, कपास, सोयाबीन और फल तो सिर्फ शुरुआत है; आने वाले समय में पूरे कृषि बाजार को अडानी-अंबानी जैसे उद्योगपतियों और विदेशी ताकतों के लिए खोला जाएगा। उन्होंने याद दिलाया कि नरेंद्र मोदी पहले भी काले कृषि कानून लाए थे। अमेरिका का उदाहरण देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि वहां के किसान हजारों एकड़ में मशीनीकृत व्यवस्था और भारी सरकारी सब्सिडी के दम पर खेती करते हैं। इसके विपरीत, भारत में बेहद कम कृषि भूमि वाले किसान हैं, जिन्हें उचित एमएसपी और संसाधन नहीं मिलते। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूरी कांग्रेस पार्टी व कार्यकर्ता किसानों के समर्थन में खड़े हैं और इस अन्याय को नहीं होने देंगे।

दिल्ली में सोनिया, खरगे से मिले डीके शिवकुमार, बोले- यहां राजनीति करने आए

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य नेताओं से गुरुवार को यहां अलग-अलग मुलाकात की। मुलाकात के बाद शिवकुमार ने कहा कि वह यहां सिर्फ दिल्ली की हवा खाने नहीं आए हैं, बल्कि राजनीति करने आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाला समय ही हर सवाल का जवाब देगा। सोनिया गांधी से दस जनपथ स्थित आवास पर मुलाकात के बाद शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा कि वह सड़क पर खड़े होकर राजनीति नहीं करना चाहते और पार्टी नेतृत्व से सभी जरूरी मुद्दों पर चर्चा कर चुके हैं। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष खरगे और महासचिव केसी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की जानकारी दी।शिवकुमार ने कहा कि दिल्ली आने पर पार्टी नेतृत्व को सभी मामलों की जानकारी देनी होती है, जिस पर विस्तार से बातचीत हुई। हालांकि शिवकुमार ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात पर सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि असम विधानसभा चुनाव और अन्य राजनीतिक मामलों पर भी चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल और अन्य नेताओं के साथ मिलकर असम में कांग्रेस की सरकार बनाने की रणनीति पर विचार किया। शिवकुमार की इस मुलाकात के बाद कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें लगाई जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में नेतृत्व को लेकर खींचतान पिछले साल नवंबर से जारी है, जब सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे रास्ते पर पहुंची थी। इससे पहले कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया था कि कम से कम 80 विधायकों ने मुख्यमंत्री पद के लिए शिवकुमार का नाम हाईकमान को भेजा है।

India SME Forum and UNIDO Host World Futures Forum Day 1

LKS

New Delhi, India –The World Futures Forum, themed "The Future of Industry, Enterprise and Livelihoods in the Global South," successfully concluded its first day on February 11, 2026,in New Delhi. Curated & organised by India SME Forum in collaboration with United Nations Industrial Development Oraganization, this 2-day high-level event served as a key precursor to the AI Impact Summit, an initiative of the Ministry of Electronics and Information Technology. A highlight of the day was the showcase tied to the Open Innovation Challenge 2026. Out of 150 solutions received, 10 were selected for display, presenting innovative solutions designed to enhance productivity, efficiency, sustainability, and competitiveness for MSMEs. Additionally, in response to the Call for Papers, over 36 papers were submitted from across the world, out of which 5 were selected, and 2 were presented today. This included "AI-Enabled Circular Smart Business Models and MSME Competitiveness" by Dr. ShivalleelaArlimatti and Mr. Kushagra Bhardwaj, and "Critical Analysis of the Skill Performance Required for the Ethical Survival of Decentralised Systems" by Dr. Harrieya Velan, who contributed valuable research insights to the forum's discussions. The World Futures Forum continues on February 12, building on today's momentum to further explore AI's role in boosting productivity and inclusive digital economies.

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री से की मुलाकात

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। रेवंत रेड्डी ने एक्स पर लिखा, "मैं फरवरी के अंतिम सप्ताह में ईसा और मूसी नदियों के संगम पर आयोजित होने वाले गांधी सरोवर प्रोजेक्ट के शिलान्यास समारोह में उन्हें आमंत्रित करने के लिए यहां उनसे मिलने आया। मुलाकात के दौरान रक्षा मंत्री को उस क्षेत्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराया गया।" प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें याद दिलाया कि फरवरी 1948 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अस्थियों का विसर्जन ईसा और मूसी नदियों के पावन संगम पर किया गया था। यह स्थान न केवल धार्मिक बल्कि राष्ट्रीय भावना का भी प्रतीक है। उन्होंने राजनाथ को बताया कि गांधी सरोवर प्रोजेक्ट मूसी रिवर जीर्णोद्धार प्रोजेक्ट के हिस्से के तौर पर शुरू किया गया है। इसका लक्ष्य नदी के स्वरूप को पुनर्जीवित करना और पर्यावरण का संरक्षण करना है। इस बैठक में तेलंगाना कांग्रेस के कई सांसद मौजूद रहे।

अल्लाह ने हमारे मार्गदर्शन और नेक बातों के लिए कुरान उतारा- मौलाना सैय्यद बिलाल नदवी

मदरसा दारुल उलूम इक़राम में बच्चों की दस्तारबंदी कार्यक्रम सम्पन्न

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मदरसा दारुल उलूम इक़रा, मिश्री की बगिया बालागंज में एक कार्यक्रम के तहत जिन छात्रों ने क़ुरआन कण्ठस्थ किया उनकी दस्तारबंदी कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि मौलाना बिलाल अब्दुल हइ हसनी नदवी द्वारा की गई इस मौके पर मौलाना बिलाल नदवी ने कहा अल्लाह तआला ने हमारी रहनुमाई और मार्गदर्शन के लिए रमज़ान में सुरक्षित तख्ते से दुनिया के आसमानों में कुरान उतारा, फिर ज़रूरत के हिसाब से 23 साल तक इसकी आयतें पवित्र दिलों पर उतारीं और इसकी हिफ़ाज़त की ज़िम्मेदारी भी खुद ली। अब इस पवित्र महीने में इस कुरान को ध्यान से पढ़ना चाहिए और इससे जुड़ाव बनाना चाहिए। मौलाना ने हर काम में ईमानदारी पर ज़ोर दिया और कहा कि रोज़े का मकसद तक़वा पैदा करना है और तक़वा सावधानी की ज़िंदगी को कहते हैं, इसलिए हमें इस महीने में खुद को बेहतर बनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि ये कार्यक्रम औपचारिक तौर पर नहीं होतीं, बल्कि ईमान को ताज़ा करने का साधन हैं, इसलिए हमें इनका फ़ायदा उठाना चाहिए। मदरसा के संरक्षक मौलाना मक़सूद आलम ने कहा जैसे ये हाफ़िज़-ए-कुरान बच्चे बधाई के हक़दार हैं, वैसे ही उनके अध्यापक और माता-पिता भी बधाई के हक़दार हैं, क्योंकि अगर टीचरों की मेहनत और लगन न होती या उनके माता-पिता में अपने बच्चों को हाफ़िज़-ए-कुरान बनाने का ध्यान, दिलचस्पी और इच्छा न होती, तो उन्हें यह सुनहरा मौका नहीं मिलता। हाफ़िज़ मन्नान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा अल्लाह ने अपने पैगंबर की खातिर कुरान के इन रखवालों को चुनकर तुम्हारे और मेरे लिए जन्नत का रास्ता आसान कर दिया है। आओ इन रोशन चेहरों को देखें जिनके सिर पर बेहतरीन पगड़ी सजने वाली है। आओ हम और तुम यह तय करें कि हम अपनी आखिरी सांस तक इसकी हिफाज़त करने की कोशिश करेंगे। कार्यक्रम में पधारे क़ारी इम्तियाज़ अहमद के अलावा शहर और आसपास के ज़िले से आये मेहमानों ने अपने अपने विचारों को व्यक्त किया गया ।

फ्री बस सेवा नहीं, आम आदमी पार्टी का भ्रष्टाचार बंद हुआ : रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपनी सरकार के एक साल पूरा होने पर पार्टी के एक ओर चुनावी वादे को पूरा करने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमने वादा किया था कि महिलाओं के लिए दिल्ली में मुफ्त बस सेवा जारी रहेगी। हमने यह वादा पूरा किया और पिंक कार्ड लेकर आई। इससे मुफ्त बस सेवा नहीं बल्कि पिछली सरकार का भ्रष्टाचार बंद हुआ और व्यवस्था पारदर्शी बनी।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के एक साल पूरा होने पर सोशल मीडिया अकाउंट एक वीडिया साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने उक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछली (आम आदमी पार्टी) सरकार में महिलाओं की फ्री बस यात्रा के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार हुआ। अब हमारी सरकार ने पिंक सहेली कार्ड के माध्यम से पूरी व्यवस्था को पारदर्शी बना दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर महिला के पास अपना डिजिटल कार्ड होगा। इससे उन्हें अनलिमिटेड फ्री बस राइड मिलेगी और हर यात्रा का रिकॉर्ड भी रहेगा। पूरा सिस्टम डिजिटल और भ्रष्टाचार मुक्त होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) को घाटे से उबारने के लिए दिल्ली सरकार आईआईटी दिल्ली के साथ मिलकर रूट रेशनलाइजेशन पर काम कर रही है। इससे यात्रियों को बेहतर बस कनेक्टिविटी मिलेगी और व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 2 नंवबर 2025 को पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड पहल की शुरूआत की थी। इसका लक्ष्य महिलाओं और ट्रांसजेंडर नागरिकों की यात्रा को सुरक्षित, आसान और किफायती बनाना है और साथ ही पुरानी गुलाबी टिकट प्रणाली में दुरुपयोग को नियंत्रित करना है। इस कार्ड के जरिए सरकार डिजिटल डेटा पास करेगी। इस पहल का मुख्य मिशन महिला सशक्तिकरण, वित्तीय सहायता और स्वतंत्र रूप से यात्रा करना है। दिल्ली सरकार मुफ्त बस यात्रा चाहती है कि हर महिला बिना टेंशन के शहर में कहीं भी आराम से जा सके।

संक्षिप्त समाचार

संभल में मौलाना से मारपीट का वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटी

संभल। जनपद संभल के रजपुरा थाना क्षेत्र का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक समुदाय विशेष की भीड़ एक मौलाना को घेरकर पकड़े हुए दिखाई दे रही है। इस दौरान मौके पर काफी हंगामा और कहासुनी होती नजर आ रही है। वीडियो में कुछ लोग मौलाना से कसम दिलाते हुए यह कहते सुनाई दे रहे हैं, "कुरान की कसम खा कि तू इसे मौका मिलने पर भी कोई गलत काम नहीं करेगा।" वहीं जमीन पर बैठे कथित आरोपी मौलाना वीडियो में यह कहते दिखाई दे रहे हैं कि, "मैं कुरान की कसम खाता हूं कि इसके साथ कोई गलत काम नहीं करूंगा।" घटना के पीछे की वास्तविक वजह क्या है, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। वीडियो कब का है और किन परिस्थितियों में बनाया गया, इसकी भी पुष्टि नहीं हो पाई है। हालांकि, वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। सूत्रों के अनुसार, मामले की जानकारी पुलिस प्रशासन को दे दी गई है। पुलिस वायरल वीडियो की सत्यता की जांच कर रही है और संबंधित पक्षों से पूछताछ की तैयारी में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि बिना सत्यता की पुष्टि किए किसी भी प्रकार के वीडियो या भ्रामक संदेश को सोशल मीडिया पर साझा न करें, जिससे माहौल खराब हो सकता है।

फियरलेस फाल्कन को नौ विकेट से हराकर फाइनल में पहुंची नारी वॉरियर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः गजरौलाः गुरुवार को महिला सशक्तिरण को बढ़ावा देने की दिशा में आयोजित तीन दिवसीय जुबिलेंट महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग में दूसरे दिन सेमीफाइनल मैच काफी रोमांचक रहा। नारी वॉरियर की टीम ने फियरलेस फाल्कन को नौ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बृहस्पतिवार का मैच नारी वॉरियर और फियरलेस फाल्कन की टीमों के बीच था। नाईपुरा में स्थित जुबिलेंट की सैकिंड कालोनी के क्रिकेट ग्राउंड में फियरलेस फाल्कन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लक्ष्य 84 रन था। नारी वॉरियर ने 9 विकेट से मैच जीत लिया। शालिनी शर्मा को मैन ऑफ द मैच और सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार मिला। रीता परिहार सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहीं। पुरस्कार श्वेता शुक्ला ने प्रदान किए। अंपायरिंग विष्णु राणा और सुनील तिवारी ने की। स्कोरिंग आशु वर्मा ने की। समिति के सदस्य पुनीत तिवारी, रितु तिवारी, अर्चना, कपिल जोशी,अनुराधा ऊषा वर्मा आदि रहे। जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि शुक्रवार को मैच का फाइनल मुकाबला शक्ति स्कवॉड एवं नारी वॉरियर की टीमो के बीच होगा।

चिरंजी लाल कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन डगरोली द्वारा तृतीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः गुरुवार को चिरंजी लाल कॉलेज ऑफ एजुकेशन डगरोली की राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा तृतीय एक दिवसीय शिविर का उद्घाटन कॉलेज प्रबंधिका श्रीमती अनुभा अग्रवाल ने गांव बोनावाली डगरोली में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्पार्चन कर किया गया, इस अवसर पर कौशल विकास हेतु युवा विषय पर प्रकाश डालते हुए कॉलेज प्रबंधिका श्रीमती अनुभा अग्रवाल ने कंप्यूटर विषय के क्षेत्र में सामान्य जानकारी के साथ विभिन्न कंप्यूटर भाषा जैसे सी, c++, डॉट नेट आदि भाषा के प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया, उन्होंने कहा कि आज के युग में कंप्यूटर हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग बन गया है जिसके ज्ञान के अभाव में हमारे युवा वर्ग रोजगार से वंचित रह जाते हैं 1 हमें अपने बच्चों को किसी न किसी स्किल का प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए 1 जिससे हमारे बच्चे अपने स्किल के द्वारा बेहतर रोजगार का कार्य कर सके, वही कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कंप्यूटर विषय प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया, कार्यक्रम में विनोद कुमार , मनोज कुमार शर्मा, लोकेश कुमार, अतुल शर्मा , काजल, खुशी अग्रवाल,किरण,कोशिंदर अशोक,बबली ,हिमांशु , शीतल , रजनी, रवि कुमार आदि के साथ साथ सभी स्वयंसेवी उपस्थित रहे ।

कोट पूर्वी बस्ती में संघ शताब्दी वर्ष पर भव्य हिंदू सम्मेलन का हुआ आयोजन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को नगर के मोहल्ला कोट पूर्वी बस्ती में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एक भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय "हिंदुत्व एवं पंच परिवर्तन" रहा। सम्मेलन में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, मातृशक्ति एवं युवाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रोहतास विद्यार्थी ने अपने उद्बोधन में हिंदुत्व को भारत की सांस्कृतिक आत्मा बताते हुए समाज में संगठन, समरसता और संस्कारों के संरक्षण पर बल दिया। उन्होंने पंच परिवर्तन—सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी संवर्धन एवं नागरिक कर्तव्यों के पालन—को वर्तमान समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीता आर्य जी रहीं। विशेष रूप से जिला प्रचारक योगेंद्र, सह जिला कार्यवाह नरेंद्र , पूर्व चेयरमैन हरि सिंह सैनी, नगर कार्यवाह सोनू कुमार, सह कार्यवाह उधम सिंह , सह संघचालक रविंद्र , पूर्व पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य चंद्रपाल खड़गबंसी, सनातन जागरण मंच के संयोजक दिनेश कुमार अग्रवाल (जय भोले वाले), हिंदू हृदय सम्राट भाजपा नेता मनोज शर्मा, अतुल शर्मा, अनुराग शर्मा, अनुज शर्मा,नगर कार्यकारिणी सदस्य अमित शर्मा, हर्षित अग्रवाल, भूदेव , अश्वनी शर्मा, कपिल शर्मा, सोनिया प्रजापति, चमन कसाना एवं संजय भाटी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुज अग्रवाल ने की तथा मंच संचालन रजनीकांत आर्य द्वारा किया गया। सम्मेलन में समाज को संगठित कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सीएम योगी ने दिया ब्रह्मोस संग 'हार्ड पावर' विजन

लोकतंत्र की शान

» मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बदली कवर इमेज

» अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश करने वाली सरकार के मुखिया ने दिया 'नए यूपी' का संकेत

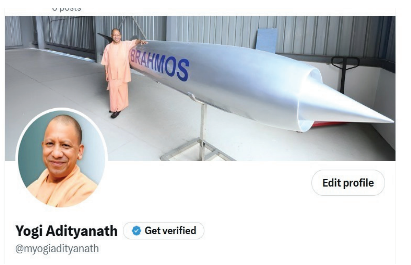

लखनऊः उत्तर प्रदेश में अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश करने वाली सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने 'नए यूपी' की बढ़ती ताकत का संकेत दिया। बजट 2026-27 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कवर इमेज बदल दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस संग अपनी फोटो लगाकर 'हार्ड पावर' विजन" का संदेश दिया। सोशल मीडिया हैंडल पर मुख्यमंत्री का यह संदेश बताता है कि लखनऊ में ब्रह्मोस निर्माण के जरिए उत्तर प्रदेश एक तरफ रक्षा उत्पादन का उभरता वैश्विक हब हो गया है। वहीं दूसरी ओर 9.12 लाख करोड़ का बजट और सामरिक शक्ति के संगम का भी संकेत प्रदेशवासियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। बजट के जरिए सीएम योगी ने संदेश दिया कि यूपी की अर्थव्यवस्था "फर्श से अर्श तक पहुंच गई है, जो यूपी के विकास, सुरक्षा और निवेश के त्रिवेणी मॉडल को प्रदर्शित करता है। योगी का यह "'सुपरसोनिक केसरिया' संदेश बताता है कि उत्तर प्रदेश विकास का इंजन और प्रदेशवासियों की सुरक्षा का कवच भी बन गया है।

राम की नगरी में आने वाले भक्तों का स्वागत करेगा लक्ष्मण द्वार

लोकतंत्र की शान

अयोध्या। राम की नगरी अब भक्तों के लिए और अधिक आकर्षक व स्वागतमय बन रही है। राम मंदिर के दर्शनार्थ आने वाले लाखों श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत करने के लिए एनएच-330ए (अयोध्या-गोण्डा मार्ग) पर एक शानदार लक्ष्मण द्वार का निर्माण तेजी से चल रहा है। यह प्रवेश द्वार अयोध्या की धार्मिक गरिमा को और निखारने के साथ-साथ पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह भव्य लक्ष्मण द्वार देईपुर/कटरा भागचंद्र अहतमाली क्षेत्र में 40 मीटर चौड़े मार्ग पर बनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड को इस परियोजना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुल निर्माण लागत 3,970.50 लाख रुपये निर्धारित की गई है। द्वार को पिंक सॉलिड स्टोन से सजाया जाएगा, जो इसे राजसी एवं आकर्षक बनाएगा। पिंक स्टोन का उपयोग न केवल सौंदर्य बढ़ाएगा, बल्कि यह स्थानीय शिल्प कौशल को भी प्रदर्शित करेगा और अयोध्या की प्राचीन वास्तुकला से प्रेरित होगा। राजकीय निर्माण निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर रविंद्र यादव ने बताया कि वर्तमान में परियोजना का 35 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और अक्टूबर तक पूरा लक्ष्मण द्वार तैयार हो जाएगा।

भव्य और यादगार पड़ाव साबित होगा–लक्ष्मण द्वार के बनने से यह मार्ग धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व का प्रतीक भी बन जाएगा। रामायण काल में लक्ष्मण जी के भाई राम के प्रति समर्पण की याद दिलाता यह द्वार भक्तों के मन में श्रद्धा एवं उत्साह का संचार करेगा। अयोध्या विकास की इस नई परियोजना से न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश का धार्मिक पर्यटन नक्शा और चमकदार हो रहा है।

सराय तरीन में विकास की रफ्तार तेज – चौधरी मुबाश्शिर अली खान ने किया जमीनी निरीक्षण, जनता ने जताया भरोसा

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल : नगर पालिका परिषद क्षेत्र सराय तरीन क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा के लिए चौधरी मुबाश्शिर अली खान ने मेंबर जलाल के वार्ड का विस्तृत दौरा किया। उन्होंने वार्ड में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का मौके पर पहुंचकर जायज़ा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दौरे के दौरान चौधरी मुबाश्शिर अली खान ने साफ शब्दों में कहा कि क्षेत्र की तरक्की ही उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने सड़कों, नालों, साफ-सफाई और अन्य जनहित के कार्यों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही कुछ नए विकास कार्यों के प्रस्तावित स्थलों का भी निरीक्षण किया गया, ताकि जल्द से जल्द उन्हें शुरू कराया जा सके। इस अवसर पर स्थानीय जनता ने भी अपनी समस्याएँ सीधे उनके सामने रखीं। चौधरी मुबाश्शिर अली खान ने हर समस्या को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि हर मुद्दे का शीघ्र व प्रभावी समाधान कराया जाएगा। क्षेत्रवासियों ने उनके सक्रिय और जमीनी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि चौधरी मुबाश्शिर अली खान के प्रयासों से सराय तरीन में विकास की एक नई लहर दिखाई दे रही है। चौधरी मुबाश्शिर अली खान ने कहा, "हमारा उद्देश्य केवल वादे करना नहीं, बल्कि हर वार्ड में वास्तविक विकास कार्यों को धरातल पर उतारना है। जनता का विश्वास हमारी सबसे बड़ी ताकत है।" उनके इस दौरे से क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और लोगों को उम्मीद है कि आने वाले समय में सराय तरीन विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

संभल में शांति और सौहार्द की मिसालः महाशिवरात्रि रमजान व होली को लेकर प्रशासन सतर्क

» डीएम डॉ. राजेन्द्र पैंसिया व एसपी कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में पीस कमेटी की अहम बैठक सम्पन्न

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

(संभल/बहजोई)। आगामी त्यौहार महाशिवरात्रि, रमजान एवं होली को सकुशल, शांतिपूर्ण और भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद सम्भल के कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में एक महत्वपूर्ण पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने संयुक्त रूप से की। बैठक में जनपद के विभिन्न धर्मों के धार्मिक गुरु, सम्भ्रांत नागरिक, गणमान्य व्यक्ति एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने शासन द्वारा जारी गाइडलाइन की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी से अपील की कि त्योहारों को आपसी सद्भाव, प्रेम और सामाजिक समरसता के साथ मनाया जाए। उन्होंने कहा कि सम्भल की पहचान हमेशा से गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे के लिए रही है, जिसे बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जनपद में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, नियमित पैदल गश्त की जाएगी तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने सभी से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री साझा करने से बचें। बैठक के दौरान उपस्थित धार्मिक गुरुओं एवं सम्भ्रांत व्यक्तियों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और शांति, सौहार्द एवं आपसी एकता बनाए रखने का संकल्प लिया। प्रशासन की ओर से यह भी आग्रह किया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या, विवाद या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस या प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। अंत में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से कहा कि जनपद सम्भल पुलिस एवं प्रशासन आगामी त्योहारों को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रशासन की प्राथमिकता आमजन की सुरक्षा, शांति और सामाजिक समरसता सुनिश्चित करना है। संभल में त्योहारों की तैयारियां जोरों पर हैं और प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है, ताकि हर नागरिक त्योहारों का आनंद सुरक्षित वातावरण में ले सके।

उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रस्तावित फॉक्सकॉन कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की

लोकतंत्र की शान

गौतमबुद्धनगरः उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 28, ई-01 में फॉक्सकॉन (Hon Hai Precision Industry Co., Ltd.) द्वारा 48 एकड़ में लगभग 4000 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जा रहे उत्तर प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर पार्क के प्रस्तावित कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस परियोजना को आधुनिक तकनीक और वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए, जिससे राज्य में निवेश को बढ़ावा मिले और रोजगार सृजन में वृद्धि हो। इस सेमीकंडक्टर पार्क के निर्माण से लगभग 3000 लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री जी ने यह भी निर्देश दिए कि परियोजना के क्रियान्वयन में सभी आवश्यक मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए तथा स्थानीय लोगों को इससे अधिकतम लाभ मिले। इस अवसर पर तीनों प्राधिकरणों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा, किसान-मजदूरों की 11 सूत्रीय मांगें उठाईं

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल, तराई किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष नदीम खान के नेतृत्व में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों व मजदूरों ने गुरुवार को महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नाम संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी संभल को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से किसानों और खेत मजदूरों की विभिन्न मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों पर आपत्ति दर्ज कराई गई। ज्ञापन में कहा गया कि दिल्ली किसान आंदोलन की समाप्ति के समय किसानों से किए गए वादे अब तक पूरे नहीं किए गए हैं। इसके विपरीत कृषि क्षेत्र से जुड़ी नीतियां किसानों के हितों के प्रतिकूल बताई गईं। कृषि उत्पादों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय समझौतों तथा श्रम कानूनों में किए गए बदलावों पर भी असंतोष जताया गया। किसान नेताओं का कहना था कि इन नीतियों से खेती और मजदूर वर्ग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। किसान नेताओं ने मांग की कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (C2+50%) पर सभी फसलों की खरीद की कानूनी गारंटी दी जाए। साथ ही विद्युत विधेयक 2025, बीज विधेयक 2025 तथा विकसित भारत गारंटी ग्रामीण रोजगार व आजीविका मिशन अधिनियम 2025 को वापस लेने की मांग की गई। अमेरिका के साथ कृषि व डेयरी उत्पादों के संबंध में हुई डील को रद्द करने, प्रस्तावित कृषि बाजार मसौदा नीति वापस लेने, किसान-खेत मजदूरों के कर्ज माफ करने और 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर न्यूनतम 10,000 प्रतिमाह पेंशन देने की भी मांग की गई। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा किसान-खेत मजदूरों के लिए वर्ष में एक बार निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और इलाज की व्यवस्था लागू करने की मांग रखी गई। श्रमिक वर्ग विरोधी चार श्रम संहिताओं को निरस्त करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश सचिव रफ़ी खान, जिलाध्यक्ष नदीम खान, तराई किसान यूनियन भारी संख्या में किसान और कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे

रामपुर में अधिवक्ता की हत्या के विरोध में नगर में अधिवक्ताओं ने की कलम बंद हड़ताल

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को नगर में अधिवक्ताओं ने रामपुर में अधिवक्ता की गोली मारकर की गई हत्या के विरोध में कलम बंद हड़ताल कर प्रदर्शन किया, बता ते चले कि जनपद रामपुर में वरिष्ठ अधिवक्ता फारूख अहमद खान की दिनदहाड़े हुई हत्या के विरोध में गुरुवार को तहसील बार एसोसिएशन एवं सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा न्यायिक कार्य ठप रखा गया तथा अधिवक्ताओं ने कलम बंद हड़ताल की, तहसील में चौधरी गजेंद्र सिंह की अध्यक्षता एवं ब्रजकिशोर के संचालन में शोकसभा आयोजित कर घटना की निंदा की गई तथा एक ज्ञापन एसडीएम हिमांशु उपाध्याय को सोपा गया, वहीं सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा की अध्यक्षता एवं महासचिव अंशु त्यागी के संचालन में शोकसभा का आयोजन कर निंदा की गई एवं उसके बाद गेट के बाहर कलमबंद हड़ताल कर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया गया और घटना की निंदा की गई, दोनों ही एसोसिएशनो द्वारा हत्या में शामिल आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, मृतक अधिवक्ता के परिवार को डेढ़ करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता तथा मृतक आश्रित को सरकारी नौकरी की मांग की गई, साथ ही अधिवक्ताओं की सुरक्षा हेतु एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग की गई वहीं तहसील एवं कचहरी परिसर में हथियारों लेकर प्रवेश करने पर पूर्ण प्रतिबंध और सुरक्षा की सख्त जांच की मांग भी की गई, इस मौके पर तहसील बार एसोसिएशन के महासचिव बृज किशोर, चरण सिंह, महबूब आलम, हितेश त्यागी, मनोज सक्सेना, ओमपाल सिंह कोहली, ऋषिपाल सिंह चौहान, दिनेश प्रजापति आदि अधिवक्ता गण मौजूद रहे वहीं सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा एड महासचिव अंशु त्यागी, मोहम्मद हुसैन, गोविंद कौशिक, टेकचंद सिंह, कैलाश चंद, दीनदयाल यादव, तरुण कुमार, संदीप कुमार शर्मा, सतवीर, शाहिद हुसैन आदि अधिवक्ता गण मौजूद रहे

संक्षिप्त समाचार

नाराज कांग्रेसियों की आज से जनसंपर्क यात्रा

17 मार्च को महासम्मेलन, सदाकत आश्रम में आयोजन के लिए प्रदेश अध्यक्ष को लिखा पत्र

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार कांग्रेस में अपनी ही पार्टी से नाराज चल रहे कांग्रेसी 17 मार्च को महासम्मेलन करने वाले हैं। इसे लेकर आज से जनसंपर्क यात्रा शुरू हो रही है। यह दूसरे चरण की यात्रा आज नालंदा और नवादा में होगी। नाराज कांग्रेसियों की ओर से बिहार में एक नया कांग्रेस बनाने की बात कही गई है। पूरे बिहार से कांग्रेसियों को आमंत्रित किया जा रहा है। दूसरे फेज में नालंदा, शेखपुरा, लक्खीसराय, जमुई, बांका, भागलपुर, कटिहार, पुर्णियां, किशनगंज, अररिया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, खगड़िया, बेगूसराय और समस्तीपुर में जनसंपर्क यात्रा होगी। पूर्व विधायक छत्रपति यादव ने बताया कि महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए जारी संपर्क यात्रा में कांग्रेसियों का अपार समर्थन मिल रहा है। अबतक की 7 जिलों की उनकी जनसंपर्क यात्रा बहुत ही उत्साहजनक रहा। वहीं, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य आनंद माधव ने कहा कि शायद जिलों में हमारी सफलता से घबराकर प्रदेश कांग्रेस की ओर से यह कार्यालय आदेश जारी किया गया है कि जिले के कोई पदाधिकारी समर्पित कांग्रेसियों को सहयोग ना करें। जिला कांग्रेस के अधिकारी कोई बंधुआ मजदूर नहीं हैं। प्रथम चरण में 7 जिलों- भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गयाजी, जहानाबाद और अरवल का दौरा किया गया है। सभी बागी कांग्रेसजन यह सम्मेलन सदाकत आश्रम में ही करना चाहते हैं, जिसके लिए प्रदेश अध्यक्ष को एक पत्र राजीव सभागार आवंटन के लिए भेजा गया, लेकिन उनके कार्यालय ने पत्र लेने से साफ इंकार कर दिया। उसके बाद यह पत्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम को वाट्सअप पर भेजा गया है और स्पीड पोस्ट भी कर दिया गया। सदाकत आश्रम नहीं मिलने पर भी सम्मेलन वैकल्पिक जगह पर आयोजित किया जाएगा।

जेसीबी से खोदे गड्ढे में डूबकर किशोर की मौत, वैशाली में दोस्तों के साथ गया था बाहर, खेलने के दौरान हादसा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के गरौल थाना क्षेत्र में जेसीबी से खोदे गए एक गड्ढे में डूबने से 12 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। यह घटना बुधवार दोपहर को हुई। मृतक की पहचान गरौल थाना क्षेत्र निवासी अरविंद महतो के बेटे सत्यम कुमार के रूप में हुई है। सत्यम बुधवार दोपहर स्कूल से लौटने के बाद दोस्तों के साथ खेलने के लिए घर से निकला था। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान, लोगों की नजर पानी में तैरते हुए उसके चप्पल पर पड़ी,

जिससे अनहोनी की आशंका हुई। स्थानीय लोगों ने पानी से भरे गड्ढे में खोज अभियान चलाया। कुछ देर बाद सत्यम का शव गड्ढे से बरामद किया गया। यह गड्ढा घर के पास ही जेसीबी मशीन से खोदा गया था और उसमें पानी भरा हुआ था। मृतक सत्यम पांच बहनों में इकलौता भाई था। उसके पिता मजदूरी करते हैं। घटना की सूचना गरौल थाने की पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है।

हाजीपुर में युवक का कमरे में मिला शव, पुलिस आत्महत्या मान रही, साथी ने हत्या की जताई आशंका

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के औद्योगिक थाना क्षेत्र स्थित राजपूत नगर में एक किराए के मकान से 19 वर्षीय युवक आकाश मजूमदार का शव संदिग्ध अवस्था में बरामद किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और परिजनों के आने का इंतजार कर रही है। आकाश पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के निवासी थे। आकाश मजूमदार जौहर मजूमदार के पुत्र थे और मूल रूप से पश्चिम बंगाल के पूर्वस्थली थाना क्षेत्र के सुमुरिया गांव के निवासी थे। उनका शव सात फीट की ऊंचाई से चार फुट के गमछे से लटका हुआ पाया गया। मृतक के एक साथी ने बताया कि बुधवार सुबह वे साथ खाना खाकर ऑफिस गए थे। दोपहर में आकाश तबीयत खराब होने की बात कहकर कमरे पर लौट आया था। कुछ देर बाद आकाश के पिता ने फोन कर जानकारी दी कि आकाश का अपनी प्रेमिका से विवाद हुआ है और इसी बात से नाराज होकर वह आत्महत्या करने जा रहा है। जानकारी मिलने पर जब साथी कमरे पर पहुंचा तो कमरा बाहर से बंद था। उसने खिड़की से देखा तो आकाश का शव लटका हुआ था, जिसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। साथी ने शव की स्थिति देखकर हत्या का संदेह जताया है। साथी के अनुसार, कमरे की खिड़की की ऊंचाई सात फीट है, जबकि युवक की लंबाई पांच फीट थी और फंदे में इस्तेमाल गमछे की लंबाई लगभग तीन फीट थी। इन परिस्थितियों में आत्महत्या संभव नहीं लगती। औद्योगिक थानाध्यक्ष अरविंद कुमार पासवान ने बताया कि राजपूत नगर में एक घर से युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला है। प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है क्योंकि कमरा भीतर से बंद था। पुलिस ने शव को सुरक्षित रखा है और परिजनों के आने का इंतजार कर रही है।

सोनपुर में अवैध हथियार के साथ 3 युवक गिरफ्तार, सारण पुलिस ने चाकूबाजी मामले में की कार्रवाई

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। सारण पुलिस ने सोनपुर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों के तहत की गई। रात्रि गश्ती के दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने चाकूबाजी कांड में संलिप्त अभियुक्त बादल कुमार उर्फ अमन राय को मानपुर, सोनपुर से पकड़ा। पूछताछ में बादल कुमार ने विकास कुमार को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल करने की बात स्वीकार की। घायल विकास कुमार का इलाज वर्तमान में सदर अस्पताल, हाजीपुर में चल रहा है। सत्यापन में पता चला कि गिरफ्तार अभियुक्त बादल कुमार का लंबा आपराधिक इतिहास है और वह पहले भी आर्म्स एक्ट के मामलों में जेल जा चुका है। उसने पुलिस को हथियार छिपाकर रखने संबंधी जानकारी दी थी। इस सूचना के आधार पर सोनपुर पुलिस टीम ने पहलेजा शाहपुर दियारा के पुरवारी टोला स्थित एक घर की घेराबंदी कर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान रविन्द्र राय उर्फ गोप जी और अरविन्द राय नामक दो अन्य अभियुक्तों को हिरासत में लिया गया। उनकी तलाशी लेने पर एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बरामद सभी वस्तुओं को विधिवत जब्त कर तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस संबंध में सोनपुर थाना में कांड संख्या 128/26 दर्ज किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस टीम में सोनपुर थाना के थानाध्यक्ष और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

इंटर के छात्र की पिटाई, एग्जाम सेंटर के बाहर युवकों ने घेरा, लात-घूसों और बेल्ट से मारा, सिर फटा

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में इंटर एग्जाम देने आए एक छात्र की बेरहमी से पिटाई की गई है। इसका वीडियो भी सामने आया है। एमपीएस साइंस कॉलेज में एग्जाम देने पहुंचा था। इस दौरान कुछ युवकों ने उसे घेर लिया। बेल्ट और लात-घूंसों से जमकर। मारपीट में छात्र का सिर फट गया। पीड़ित की पहचान प्रियांशु कुमार(15) के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार, एग्जाम सेंटर पर कुछ छात्रों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इस विवाद के बाद स्थानीय युवकों ने प्रियांशु को घेर लिया और उस पर हमला कर दिया। घटना सदर थाना क्षेत्र की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, छह से ज्यादों युवकों ने छात्र पर हमला किया था। स्थानीय लोगों के शोर मचाने पर हमलावर भाग निकले। इसके बाद घायल को इलाज के लिए डॉक्टर के पास ले गए। परिजन गोविंदा ने बताया साइंस कॉलेज में कॉमर्स की परीक्षा चल रही थी। मामूली विवाद को लेकर स्थानीय लड़कों को बुलाया लिया गया। बेरहमी से बच्चे को मारा है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सदर थानेदार अस्मित कुमार ने बताया कि कॉलेज के पास मारपीट की सूचना मिलते ही तुरंत पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। घायल छात्र का बयान दर्ज किया जाएगा और सीसीटीवी फुटेज की जांच कर दोषियों की पहचान की जाएगी। हमलावर युवकों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

लेबर कोड के खिलाफ सड़क पर उतरी माले, दीपंकर भट्टाचार्य बोले- देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक संरचना बचाना जरूरी

200 दिन रोजगार, 600 रुपये मजदूरी की मांग

लोकतंत्र की शान, पटना

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर आयोजित देशव्यापी आम हड़ताल के समर्थन में आज पटना में व्यापक प्रदर्शन देखने को मिला। भाकपा (माले) के महासचिव का. दीपंकर भट्टाचार्य के साथ सैकड़ों की संख्या में मजदूर, किसान और विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। यह जुलूस बुद्ध स्मृति पार्क से निकल कर डाकबंगला चौराहे तक आया, जहां सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर आवाज बुलंद की गई। डाकबंगला चौराहे पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि मजदूरों की यह हड़ताल सिर्फ वेतन और काम के अधिकार की लड़ाई नहीं है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक संरचना को बचाने की भी लड़ाई है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक हड़ताल को खेत मजदूरों, किसानों, छात्रों और

नौजवानों का व्यापक समर्थन मिला है, जो केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ बढ़ते जनाक्रोश का स्पष्ट संकेत है।

4 श्रम कोड को बताया मजदूर-विरोधीः भाकपा माले ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए 4 श्रम कोड को मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन श्रम कोड के जरिए मजदूरों को संगठित होने, यूनियन बनाने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की ताकत को कमजोर किया जा रहा है। जैसे किसानों के ऐतिहासिक आंदोलन ने सरकार को 3 कृषि कानून वापस लेने के लिए मजबूर किया, वैसे ही मजदूरों का संगठित संघर्ष 4 श्रम कोड को भी वापस लेने पर मजबूर करेगा। उन्होंने दावा किया कि ये श्रम कोड पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने और श्रम कानूनों को लचीला बनाकर कॉरपोरेट हितों को कानूनी संरक्षण देने की साजिश हैं।

मनरेगा के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह कानून ग्रामीण गरीबों और खेत मजदूरों के लिए रोजगार की गारंटी के रूप में बना था, लेकिन वर्तमान सरकार इसे कमजोर करने की दिशा में काम कर रही है। मजदूर संगठनों की ओर से मांग रखी गई कि मनरेगा के तहत कम से कम 200 दिन का रोजगार और 600 रुपये प्रतिदिन मजदूरी सुनिश्चित की जाए। सरकार की नीतियों के कारण ग्रामीण बेरोजगारी और आर्थिक संकट बढ़ रहा है।

भाकपा माले ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने देश की खेती-किसानी को बहुराष्ट्रीय कंपनियों और विदेशी हितों के सामने गिरवी रख दिया है। कृषि क्षेत्र को बाहरी दबावों के लिए खोलना राष्ट्रीय हितों के खिलाफ है और इससे देश की 60 प्रतिशत आबादी प्रभावित होगी। शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, संघीय ढांचे को कमजोर किया जा रहा है और शिक्षा के क्षेत्र में एक विशेष विचारधारा थोपने की कोशिश की जा रही है।

कटिहार पुलिस की बड़ी कारवाईःकुख्यात अपराधी छोटू मंडल गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान,सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः नगर थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात अपराधी छोटू मंडल को गिरफ्तार किया है।छोटू मंडल पर कई संगीन मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या के प्रयास, अवैध हथियार का उपयोग और एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ के लिए ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे, ताकि जिले में कानून व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके। उक्त कांड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व मे एक विशेष टीम के द्वारा छापेमारी कर झुलनिया मोड़ के पास कुख्यात अपराधी छोटू मंडल उर्फ अमन उम्र 38 वर्ष पिता युगल मंडल उर्फ युगल प्रसाद मंडल को एक देशी पिस्टल, एक मैगजीन एवं चार जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि छोटू मंडल की गिरफ्तारी से जिले में अपराध नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।छोटू मंडल पर पहले भी कई मामले दर्ज हैं, जिनमें पशु व्यवसायी से 11 लाख की लूट,चावल व्यवसायी से 20 लाख की लूट और चॉकलेट व्यवसायी से ढाई लाख की लूट शामिल है। पूर्णिया और अररिया पुलिस को भी लंबे समय से इसकी तलाश थी। प्रेस वार्ता कर एसडीपीओ अभिजीत कुमार सिंह ने बताया कि छोटू मंडल एक कुख्यात अपराधी है उनकी गिरफ्तारी से जिले में अपराध पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।अपराधियों की धरपकड़ के लिए ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे, ताकि जिले में कानून व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय में आयोजित वार्षिक खेल महोत्सव

लोकतंत्र की शान

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय में आयोजित वार्षिक खेल महोत्सव "स्पर्धा 3.0" (Annual Sports 2026) का शुभारंभ 9 फरवरी 2026 को हुआ था, जिसका समापन 12 फरवरी 2026 को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। चार दिवसीय इस आयोजन में विद्यार्थियों ने क्रिकेट, कबड्डी, वॉलीबॉल, कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस तथा 200 मीटर दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. समित तिवारी, प्रति-कुलपति डॉ. बसंत सिंह, कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह, अधिष्ठाता (शैक्षणिक) डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह तथा अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) डॉ. अमरीश कुमार सिंह द्वारा मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिताओं में क्रिकेट में सीवीआरयू वॉरियर विजेता एवं एलीट रॉयल्स उपविजेता रही। वॉलीबॉल में एलीट रॉयल्स विजेता रही। कबड्डी में बी.एससी. कृषि टीम विजेता एवं एलीट सीएसई उपविजेता रही। टेबल टेनिस में अविनाश कुमार विजेता रहे। शतरंज में शशांक शर्मा तथा कैरम में रवि कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ में आदित्य राजपूत प्रथम, उज्ज्वल प्रकाश द्वितीय एवं प्रशांत कुमार तृतीय स्थान पर रहे। अपने संबोधन में कुलपति महोदय ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण

विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की खेल भावना, अनुशासन एवं उत्साह की सराहना की। कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं। उन्होंने आयोजन समिति, निर्णायक मंडल तथा सभी प्रतिभागियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय सदैव विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करता रहेगा।

कटिहार में दंपति पर गोलीबारी का 36 घंटे में खुलासाःदो मुख्य आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान,सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः कटिहार के कदवा थाना क्षेत्र में 10 फरवरी को शाम करीब 6 बजे एक चौंकाने वाली घटना सामने आई थी। जिसमे एक दंपति पर हुए जानलेवा हमले का पुलिस ने 36 घंटा के भीतर पर्दाफाश कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।बड़कु शर्मा (36) अपनी पत्नी काजल कुमारी के साथ मोटरसाइकिल पर कटिहार से अपने घर संझेली लौट रहे थे। घोघरी पुल के पास कुछ अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलीबारी की। इस हमले में बड़कु शर्मा की जांघ में और उनकी पत्नी काजल कुमारी की बांह में गोली लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को अंजाम देने के बाद सभी हमलावर मौके से फरार हो गए थे। इस संबंध में कदवा थाना में कांड संख्या-50/26 के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए कटिहार पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी के निर्देश पर अनुमंडल

पुलिस पदाधिकारी बारसोई के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया था। इस टीम को मामले का जल्द से जल्द खुलासा करने का जिम्मा सौंपा गया था। पुलिस टीम ने वैज्ञानिक और मानवीय सूचनाओं के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कटिहार मोड़ के पास छापेमारी की। इस दौरान घटना में संलिप्त दो मुख्य अभियुक्तों ललित शर्मा और श्याम शर्मा उर्फ घनश्याम शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया। ये दोनों संझेली थाना कदवा जिला कटिहार के निवासी हैं। पुलिस अब इस मामले में अन्य संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

कोचिंग के चौथे फ्लोर से गिरकर छात्रा की मौत

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के दानापुर में गुरुवार को 12वीं की छात्रा की लाश मिली है। छात्रा सुबह 8 बजे घर से कोचिंग के लिए निकली थी। उसकी कोचिंग से थोड़ी दूर पर ही उसकी बॉडी पड़ी मिली। लड़की की पहचान पिंकी कुमारी है। उसकी उम्र 17 साल है। वो फुलवारीशरीफ की रहने वाली थी। परिवार का आरोप है कि उसके साथ रेप किया गया है। इसके बाद कोचिंग के चौथे फ्लोर से धक्का दिया गया है।

कोचिंग के CCTV में छात्रा दिखाई दे रही है। इसमें वो हड़बड़ी में सीढ़ियों पर जाती दिख रही है। उसके पीछे 2 लड़के भी हैं। थोड़ी देर बाद छात्रा ब्लिडिंग से नीचे गिरती दिख रही है। पुलिस ने फिलहाल उसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। कोचिंग के CCTV खंगालने के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। घटना AIIMS गोलंबर के पास हरी नगर कॉलोनी की है। पुलिस ने पूछताछ के लिए 3 लोगों को डिटेन किया है।

सुबह 8 बजे कोचिंग के लिए निकली थी छात्राः पिता ने बताया कि 'वो सुबह 8 बजे कोचिंग के लिए निकली थी। 9 बजे सूचना मिली कि उसकी मौत हो गई है। हम कोचिंग पहुंचे तो सड़क पर उसकी लाश पड़ी थी। खून के निशान

भी नहीं थे। हमने सोचा की नेचुरल डेथ हुई होगी। इसके बाद हम उसके शव को लेकर दीघा आ गए। पुलिस दीघा घाट पहुंची। पुलिस ने कहा कि पोस्टमॉर्टम करवाना होगा। इसके बाद हमने शव पुलिस को सौंप दिया। बेटी के शरीर पर चोट के भी निशाना है। उसकी हत्या की गई है। हम केस में जांच की मांग करते हैं।'

कोचिंग के CCTV में क्या मिलाः कोचिंग के CCTV में छात्रा सफेद कपड़ों में सीढ़ियों से ऊपर की ओर जाती दिख रही है। उसके पीछे एक लड़का जाता दिखाई दे रहा है। थोड़ी देर बाद एक और लड़का सीढ़ियों से जाता दिखाई देता है। CCTV में लड़की छत से गिरती दिख रही है। दोनों

पटना में सीसीटीवी में सीढ़ियों से ऊपर जाती दिखी, पीछे 2 लड़के थे, पिता बोले- मर्डर

लड़के सीढ़ियों से लौटते भी दिख रहे हैं। लड़के बीच में रुककर लड़की की लाश देखते हैं और फिर दौड़कर भाग जाते हैं। पुलिस ने CCTV फुटेज को जब्त किया है। इसकी जांच की जा रही है।

किस हाल में मिली बॉडीः छात्रा की बॉडी कोचिंग के पास सड़क पर मिली है। पास ही उसकी चप्पल पड़ी मिली। मौके से खून के निशान नहीं मिले हैं। मौत कैसे हुई है इसे लेकर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की है। छात्रा के साथियों से भी पूछताछ हो रही है। इसके साथ कोचिंग संचालक से भी जानकारी ली जा रही है।

हॉस्टल की छत से गिरकर एक छात्रा की मौत हो गई है। परिवार इसे हत्या बता रहा है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है। हॉस्टल का एक CCTV फुटेज भी सामने आया है। इसमें लड़की सीढ़ियों से जाते दिख रही है। उसके पीछे दो लड़के भी दिखाई दे रहे हैं। जिस जगह से लड़की गिरी है वहां ज्यादा लोग आते-जाते नहीं थे। पुलिस CCTV फुटेज की जांच कर रही है।

पीएम की मां को गाली देने वाले शख्स की जमानत

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार चुनाव के दौरान पीएम मोदी की मां को गाली देने वाले शख्स को पटना हाई कोर्ट से बेल मिल गई है। राहुल गांधी के वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा के मंच से पीएम की मां को आपत्तिजनक शब्द कहा गया था। राजा उर्फ रिजवी को 5 महीने से ज्यादा जेल में रहने के बाद बेल मिली और कल तक वह बाहर आ जाएंगे। युवक का केस लड़ रहे वकील रियाज अहमद ने पूरी मामले की जानकारी दी। युवक के खिलाफ देशद्रोह समेत तीन मामले पर एफआईआर दर्ज थे।

पटना हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे रियाज अहमद उनका केस लड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि 20 वर्षीय रिजवी ने 27 अगस्त को वोटर अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा के सिमरी थाना क्षेत्र के मानसरोवर ढाबा के पास यह घटना हुई थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम मोदी और

उनकी मां के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ है। उसी संदर्भ में भाजपा के जिलाध्यक्ष ने FIR किया और उस शख्स को 29 अगस्त को लोकल चौकीदार के आइडेंटिफिकेशन पर गिरफ्तार किया गया। तब से वह युवक दरभंगा जेल में बंद था। कल उसका बेल एप्लीकेशन हाई कोर्ट द्वारा स्वीकार किया गया है। आज उसके जजमेंट की कॉपी आ जाएगी और कल तक जेल से बाहर आ जाएंगे।

पटना में लगेंगे 24 नए ऑटोमैटिक ट्रैफिक सिग्नल

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना में यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए नए ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएंगे। ट्रैफिक कंट्रोल करने के लिए ऑटोमेटिक वाहन को डिटेक्ट कर लाल, हरा और पीली लाइट जलने वाली 24 ट्रैफिक सिग्नल इंस्टॉल किया जाएगा। वर्तमान में शहर में करीब 28 सिग्नल लगे हैं। ट्रैफिक एसपी के प्रस्ताव पर मिली इस मंजूरी के बाद शहर में सिग्नलों की कुल संख्या 28 से बढ़कर 52 हो जाएगी। ये सभी सिग्नल पटना स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) से जुड़े होंगे, जिससे ट्रैफिक की निगरानी और संचालन डिजिटल तरीके से बेहतर हो सकेगा। जब जरूरत होगी तो इन्हें मैनुअल भी किया जाएगा।

◆ पटना स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जुड़ेगी, ट्रैफिक की निगरानी डिजिटल तरीके से होगी

ई-टॉयलेट को फिर से संचालित करने के लिए पॉलिसी बनेगीः वहीं, पटना स्मार्ट सिटी की खराब हो रही संपत्तियों को फिर से संचालित करने को लेकर पॉलिसी बनाई जाएगी। इसमें प्रमुख रूप से ई-टॉयलेट है। इसका सर्वे कराया गया है। फिर से संचालित कर ऑपरेशन और मेंटेनेंस

के लिए जवाबदेही तय की जाएगी। इसके शुरू होने के बाद आय भी आएगा। इसके अलावा मौर्यलोक स्थित मौर्य मंडपम और जिम को आउटसोर्स किया जाएगा, ताकि उससे आय सृजन किया जा सके।

कॉमन फैसिलिटी सेंटर को बनेगा G+3 भवनः जीपीओ के पास स्थित सब-वे और मल्टीलेवल पार्किंग के बीच अंधेरे को दूर करने के लिए चिह्नित स्थान पर हाईमास्ट लाइट लगाई जाएंगी। सर्वे के बाद इसे बोर्ड से पास किया गया। मीठापुर में बन रहे कॉमन फैसिलिटी सेंटर को जी प्लस थ्री बनाया जाएगा। इसमें रेस्टोरेंट, बैंक, एटीएम, लाइब्रेरी, सैलून, मॉल सहित कई सुविधाएं मिलेगी। इसका काम मार्च तक पूरा हो जाएगा। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से कंकड़बाग के एक पार्क का रेनोवेशन किया जाएगा। इन सभी प्रस्तावों पर बुधवार को पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड की बोर्ड बैठक में मुहर लगी।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी कल 13 फ़रवरी को कटनी आएंगे इससे पहले जबलपुर, कटनी और शहडोल के दौरे पर है

लोकतंत्र की शान : कटनी, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी कल 13 फ़रवरी को जबलपुर, कटनी और शहडोल के दौरे पर है। जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि पीसीसी चीफ जीतू पटवारी कल 13 फ़रवरी शुक्रवार को अल्प प्रवास पर कटनी में रहेंगे। श्री पटवारी जबलपुर से सड़क मार्ग द्वारा कटनी पहुँचेंगे और आस्था प्लाजा स्थित जिला कांग्रेस के कार्यालय में कांग्रेस जनो से सौजन्य भेंट के साथ प्रातः 11 बजे पत्रकार बंधुओं से भी भेंट करेंगे।इसके बाद श्री पटवारी शहडोल में आयोजित कांग्रेस के कार्यक्रम में हिस्सा लेने रवाना हो जायेंग।

यमुनानगर में ईडी ने उद्योगपति के आवास पर मारा छापा

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर के जगाधरी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार सुबह जगाधरी में एक उद्योगपति के आवास पर छापेमारी की कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई छछरौली रोड स्थित कृष्णा मेटल फैक्ट्री से जुड़े मामले में की गई बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी की टीम सुबह पंजाब पंजीकरण संख्या वाले वाहनों से पहुंची और सीधे आवास परिसर में प्रवेश कर दस्तावेजों की जांच प्रारंभ की। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। आवास के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है और परिसर में आने-जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, जांच दल ने घर के भीतर मौजूद लोगों की गतिविधियों पर निगरानी रखी हुई है तथा बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश को भी सीमित किया गया है। प्राथमिक स्तर पर फैक्ट्री संचालक का नाम संदीप बताया जा रहा है। हालांकि, ईडी की ओर से आधिकारिक रूप से न तो कार्रवाई के कारणों का खुलासा किया गया है और न ही किसी प्रकार का औपचारिक बयान जारी किया गया है। सूत्रों का कहना है कि वित्तीय अभिलेखों, लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की बारीकी से पड़ताल की जा रही है। माना जा रहा है कि जांच का संबंध संभावित आर्थिक अनियमितताओं या वित्तीय लेन-देन से जुड़े किसी प्रकरण से हो सकता है। छापेमारी को कई घंटे बीत जाने के बावजूद एजेंसी की कार्रवाई जारी है। स्थानीय स्तर पर इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का माहौल बना हुआ है।

सिरसाः पेंशन काटने के विरोध में कांग्रेस ने दिया धरना, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

लोकतंत्र की शान : सिरसा। हरियाणा में लागू सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत जुड़ी पात्र व्यक्तियों की पेंशन काटने के विरोध में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कालांवाली के एसडीएम कार्यालय के बाहर धरना दिया। पेंशन बहाली की मांग को लेकर एसडीएम को हरियाणा के राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।विधायक शीशपाल केहरवाला ने कहा कि हरियाणा में हाल ही में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत लाखों पात्रों जिनमें वृद्धजन, विधवाएं, दिव्यांगजन तथा अन्य कमजोर वर्ग सम्मिलित हैं, की पेंशन बिना पर्याप्त कारण व पूर्व सूचना के काट दी गई है। इस निर्णय से प्रदेश के गरीब एवं निर्बल वर्गों के समक्ष गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। विधायक केहरवाला ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का उद्देश्य समाज के उन वर्गों को आर्थिक सहारा प्रदान करना है, जो आजीविका के साधनों से वंचित हैं और जीवन यापन के लिए पूर्णतः सरकारी सहायता पर निर्भर हैं। पेंशन बंद होने के कारण अनेक परिवारों के सामने दवा, भोजन एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करना कठिन हो गया है।यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक एवं मानवीय दृष्टि से पीड़ादायक है। उपरोक्त वर्गों की पेंशन की बहाली के लिए कांग्रेस ने राज्यपाल से मांग की कि प्रदेश में जिन भी पात्र लाभार्थियों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन रोकी या काटी गई है, उसे तत्काल प्रभाव से बहाल किया जाए। इसके अलावा जिन मामलों में पात्रता पर संदेह है, उनकी पारदर्शी एवं मानवीय आधार पर पुनः जांच की जाए। भविष्य में पेंशन बंद करने से पूर्व लाभार्थी को उचित नोटिस एवं अपील का अवसर प्रदान किया जाए तथा जिन लाभार्थियों को कई माह से पेंशन प्राप्त नहीं हुई है, उन्हें बकाया राशि सहित भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इसमौके पर चेयरमैन महेश गोयल, संदीप नेहरा, अवतार सिंह सूरतिया, सोहन सिंह थिराज, मेजर सिंह रोड़ी व सतिंद्र सिंह तिलोकेवाला आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

वात्सल्य योजना के तहत 3.05 करोड़ रुपये लाभार्थियों को ट्रांसफर

लोकतंत्र की शान : देहरादून। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने गुरुवार को मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के खातों में 3 करोड़ 5 लाख रुपये से अधिक की धनराशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से जारी की। कैंप कार्यालय में धनराशि हस्तांतरण के बाद मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के दौरान अपने अभिभावकों को खो देने वाले बेसहारा बच्चों को प्रदेश सरकार इस योजना के तहत प्रति माह 3,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि नवंबर 2025 तक की धनराशि पूर्व में जारी की जा चुकी थी। दिसंबर माह के लिए 5,114 लाभार्थियों को कुल एक करोड़ 53 लाख 42 हजार रुपये जारी किए गए, जबकि जनवरी माह के लिए 5,078 लाभार्थियों को एक करोड़ 52 लाख 34 हजार रुपये की धनराशि हस्तांतरित की गई। उन्होंने बताया कि योजना के तहत लाभार्थी के 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने, बालिका लाभार्थी के विवाह या लाभार्थी के सेवायोजित होने पर योजना का लाभ समाप्त हो जाता है।

विधानसभा में भ्रष्टाचार के आरोपों पर हंगामा, बजट बहस का कार्यक्रम तय

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राजस्थान विधानसभा में गुरुवार को शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक रफीक खान द्वारा जयपुर में मकानों के पट्टों और निर्माण कार्यों में कथित भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाने के बाद सदन में तीखी बहस और हंगामे की स्थिति बन गई। आरोपों पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई, जिससे दोनों पक्षों के सदस्यों के बीच नोकझोंक हुई। रफीक खान ने कहा कि जयपुर शहर में छोटे मकानों पर कार्रवाई की जा रही है, जबकि बड़े आवासीय परिसरों को राहत दी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माणाधीन मकानों पर निरीक्षण के नाम पर दबाव बनाया जाता है और बिना भुगतान के न तो नक्शे स्वीकृत हो रहे हैं और न ही पट्टे जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास आरोपों के समर्थन में प्रमाण हैं। इस पर भाजपा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने आपत्ति दर्ज कराई, जिसके बाद सदन में कुछ समय के लिए व्यवधान की स्थिति रही। इससे पहले कांग्रेस विधायक दीनदयाल बैरवा ने दौसा तहसीलदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। उन्होंने आरोप लगाया कि तहसील स्तर पर मनमानी हो रही है और अनुसूचित जाति वर्ग के मकानों को तोड़ा जा रहा है। बैरवा वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने इसे अनुशासनहीनता बताते हुए नाराजगी जताई और कहा कि मामले में कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने सदस्यों को सदन की मर्यादा बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष ने व्यवस्था का प्रश्न उठाने का प्रयास किया, जिस पर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने आपत्ति की। दोनों के बीच नियमों को लेकर संक्षिप्त बहस हुई। अध्यक्ष ने हस्तक्षेप कर कार्यवाही को आगे बढ़ाया। सदन में राइट टू हेल्थ एक्ट के नियमों से जुड़े प्रश्न पर स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर और विपक्षी सदस्यों के बीच भी चर्चा हुई। वहीं भाजपा विधायक बहादुर सिंह कोली ने अवैध खनन का मुद्दा उठाते हुए सरकार से कार्रवाई की मांग की।

जिला अस्पताल परिसर में खड़ी एंबुलेंस में भीषण आग, धू-धू कर जली गाड़ी

लोकतंत्र की शान समाचार पत्र

सीधी। जिला अस्पताल परिसर में बुधवार की रात उस समय हडक़ंप मच गया जब अस्पताल में खड़ी एक एंबुलेंस में अचानक भीषण आग लग गई। घटना रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगने से पहले एक तेज धमाके की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद एंबुलेंस देखते ही देखते आग की लपटों में घिर गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया और गाड़ी धू-धू कर जलने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम जिला अस्पताल पहुंची, लेकिन तब तक एंबुलेंस लगभग पूरी तरह से जलकर खाक हो चुकी थी। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जिससे आसपास खड़े अन्य वाहनों और अस्पताल परिसर को संभावित नुकसान से बचाया जा सका। घटना के दौरान अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मरीजों के परिजन और अस्पताल स्टाफ आग की लपटों और धुएं को देख चिंतित नजर आए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रत्यक्षदर्शी श्रीराम पनिका ने बताया कि अचानक एक जोरदार धमाका हुआ और एंबुलेंस में आग लग गई। उन्होंने कहा कि आग कैसे लगी, इसका कारण समझ नहीं आया लेकिन घटना की सूचना नगर पालिका सहित संबंधित अधिकारियों को तुरंत दे दी गई। वहीं अस्पताल चौक के प्रभारी देवराज सिंह ने बताया कि आग लगने का कारण अज्ञात है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की जानकारी दे दी गई है और फायर ब्रिगेड की टीम ने समय पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया गया।

अल्ट्राटेक सीमेंट द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

लोकतंत्र की शान समाचार पत्र

सीधी। जिले के ग्राम बुढ़गौना में अल्ट्राटेक सीमेंट के सीएसआर विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। यह शिविर इकाई प्रमुख बीपी सम्राट, मानव संसाधन विभाग प्रमुख अभिषेक शर्मा एवं प्रशासनिक विभाग प्रमुख दिनेश शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सीएसआर टीम की सक्रिय भूमिका रही। रेड क्रॉस सोसायटी एवं संजय गांधी अस्पताल रीवा के चिकित्सकों द्वारा कुल 121 मरीजों की जांच की गई। मरीजों को निःशुल्क दवाइयां एवं आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में ग्राम सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। यह आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कन्या महाविद्यालय में कार्यक्रम का एनएसयूआई ने किया विरोध

लोकतंत्र की शान समाचार पत्र

सीधी। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में 10 फरवरी 2026 को भाजपा युवा मोर्चा द्वारा युवा संवाद बजट 2026 के नाम पर राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। गर्ल्स कॉलेज जैसे संवेदनशील शैक्षणिक संस्थान में इस प्रकार का राजनीतिक आयोजन छात्राओं की सुरक्षा, अनुशासन एवं महाविद्यालय की गरिमा के खिलाफ है। इस कार्यक्रम में सीधी विधायक श्रीमती रीति पाठक, भाजपा जिलाध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान एवं बीजेबायएम अध्यक्ष निशांत मिश्रा की उपस्थिति रही, जिससे यह स्पष्ट है कि यह पूर्णतः राजनीतिक कार्यक्रम था। आज एनएसयूआई द्वारा प्रदेश सचिव विक्रांत सिंह परिहार के नेतृत्व में जब प्राचार्य ओम प्रकाश नामदेव से कार्यक्रम की अनुमति को लेकर चर्चा की गई, तो उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि इस कार्यक्रम हेतु कोई लिखित अनुमति जारी नहीं की गई थी। इसके बावजूद कॉलेज परिसर में राजनीतिक मंच सजना एवं प्राचार्य का मंच पर उपस्थित रहना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही एवं नियमों के उल्लंघन को दर्शाता है। यह मामला और भी गंभीर हो जाता है क्योंकि कल ही महाविद्यालय के मुख्य गेट के पास अवैध ठेले के आसपास चाकूबाजी जैसी घटना सामने आई है। ऐसे असुरक्षित वातावरण में बिना सुरक्षा प्रोटोकॉल एवं बिना अनुमति राजनीतिक भीड़ जुटाकर कार्यक्रम कराना छात्राओं की सुरक्षा के साथ खुला खिलवाड़ है। एनएसयूआई मांग करती है कि इस पूरे प्रकरण की तत्काल उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो तथा प्राचार्य नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें। साथ ही कॉलेज गेट के पास लगे अवैध ठेलों/अतिक्रमण को हटाकर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री संगठन महासचिव जिला कांग्रेस कमेटी सीधी एवं विधायक प्रतिनिधि चुरहट की गरिमामय उपस्थिति रही। एनएसयूआई प्रदेश सचिव विक्रांत सिंह परिहार ने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन द्वारा आंदोलन एवं विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

हिसार : अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं परिश्रम को जीवन में आत्मसात करें विद्यार्थी : प्रो. विनोद वर्मा

लोकतंत्र की शान

हिसार। लाला लाजपत राय पशु-चिकित्सा एवं पशु-विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), में बीवीएससी एवं एएच प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के स्वागत के लिए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभा खोज कार्यक्रम 'परिकल्प–2025' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवागंतुक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक व सांस्कृतिक वातावरण से परिचित कराना तथा उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के दौरान गुरुवार को प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। वेटरनरी सभागार को विद्यार्थियों द्वारा अत्यंत आकर्षक एवं रचनात्मक ढंग से सजाया गया। रंग-बिरंगी रंगोलियों, सुसज्जित गुब्बारों, पुष्पमालाओं एवं हस्तनिर्मित सजावटी सामग्री से सभागार का वातावरण अत्यंत मनोहारी एवं उत्सवमय दिखाई दिया। विशेष बात यह रही कि सजावट का अधिकांश कार्य विद्यार्थियों ने स्वयं अपने परिश्रम, कल्पनाशीलता एवं टीमवर्क से किया, जिससे उनकी सृजनात्मक सोच और समर्पण भाव स्पष्ट रूप से झलकता नजर आया। प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास पूर्ण एवं रोचक शैली में अपना परिचय देकर कार्यक्रम में समा बांध दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय जीवन केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार होता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा को उनकी पेंसिल स्केच से तैयार की गई एक आकर्षक एवं कलात्मक फोटो फ्रेम भेंट की गई। विद्यार्थियों की इस रचनात्मक भेंट ने सभी को प्रभावित किया। कुलपति ने विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए इसे उनके स्नेह, सम्मान एवं सृजनात्मक सोच का प्रतीक बताया। इस अवसर पर पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनोज रोज ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि लुवास के प्रत्येक वार्षिक फ्रेशर कार्यक्रम की तरह इस बार भी विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक विरासत एवं रचनात्मकता की शानदार प्रस्तुति दी है।

मध्य रेल द्वारा कटनी–मैहर रेल खंड का गहन संरक्षा ऑडिट संपन्न

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ
जबलपुर, कटनी ,मध्य प्रदेश

जबलपुर | पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर मंडल के कटनी-मैहर रेल खंड पर आज एक उच्च स्तरीय 'इंटर रेलवे सेफ्टी ऑडिट' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह निरीक्षण मध्य रेल के प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी सी. के. प्रसाद के नेतृत्व में गठित एक विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। इस उच्च स्तरीय ऑडिट टीम में संजय कुमार झा (CTE), श्री अनिल कुमार पाटके (CTPM), जनार्दन सिंह (CSE), संजय सिंह (CEE/OP) जैसे वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (SAG) अधिकारी शामिल थे। इसके अतिरिक्त टीम में उप मुख्य संरक्षा अधिकारी (यातायात) जे. डी. वानी, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एस. के सिंह और वरिष्ठ संरक्षा अधिकारी शिखर मेहता ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संरक्षा ऑडिट दल ने आज सुबह जबलपुर स्टेशन से 'परख' स्पेशल ट्रेन के माध्यम से अपना निरीक्षण प्रारंभ किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने कटनी और पटवारा के मध्य स्थित 1.37 डिग्री कर्व (किमी 1083/0-8) और एक महत्वपूर्ण बड़े पुल का सघन तकनीकी परीक्षण किया। इसके पश्चात, टीम ने पटवारा-झुकेही खंड में इंटरलॉक गेट नंबर 358 का बारीकी से निरीक्षण किया। अमदरा स्टेशन पर ऑडिट टीम ने स्टेशन संचालन, रिले रूम, पॉइंट एवं क्रॉसिंग 102B और एलडब्ल्यूआर की कार्यक्षमता की जांच की। संरक्षा मानकों को और पुख्ता करने के उद्देश्य से भदनपुर में स्थित ट्रैक्शन सब-स्टेशन और मैहर के पास स्थित माइनर ब्रिज व नॉन-इंटरलोक गेट संख्या 377 का भी अवलोकन किया गया। इस दौरान श्री आरके गुप्ता एसएससी पी वे मैहर, श्री संजय प्रसाद एसएसई सिग्नल , मोहम्मद रिजवान फरीदी एसएससी पीवे कटनी नॉर्थ, श्री धर्मवीर सिंह गेटमैन, श्री सुमेर कुमार एसएस अमदरा, श्री राहुल कुमार ईएसएम, श्री सुजीत कुमार एसएसई टी आर डी को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया । इस निरीक्षण अभियान में जबलपुर मंडल की ओर से अपर मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी सहित अन्य शाखा अधिकारी समन्वय हेतु उपस्थित रहे। यह ऑडिट कार्यक्रम आगामी दो दिनों तक जबलपुर में जारी रहेगा, जिसके अंतर्गत 13 फरवरी को एआरटी व एआरएमवी का निरीक्षण किया जाएगा । कार्यक्रम का समापन 14 फरवरी को मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित होने वाली उच्च स्तरीय बैठक के साथ होगा ।

ट्रेलर ने बाइक सवार परिवार को कुचला, तीन बच्चों की मौत-पिता गंभीर

लोकतंत्र की शान

बूंदी। कोटा-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे-27 पर बुधवार रात सड़क हादसे में एक परिवार के तीन बच्चों की मौके पर मौत हो गई, जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा डाबी थाना क्षेत्र में दुधी कुड़ी कट के पास हुआ। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने हाईवे जाम कर मुआवजे और कड़ी कार्रवाई की मांग की। डाबी थाने के एसएचओ हेमराज शर्मा ने बताया कि मदन बंजारा अपनी बेटी सुमन, बेटे अंकित और भतीजे करण (बहादुर का बेटा) के साथ पराणा गांव (बूंदी) से डाबी की ओर जा रहे थे। परिवार किसी एक बच्चे को डॉक्टर को दिखाने के लिए निकला था। इसी दौरान बिजौलिया (भीलवाड़ा) की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रेलर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार चारों लोग सड़क पर दूर तक घिसटते चले गए। हादसे में आठ से दस वर्ष आयु के तीनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। मदन बंजारा गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें एंबुलेंस से तत्काल कोटा के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रेलर को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया है और चालक की तलाश की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। आक्रोशित लोगों ने मुआवजे और दोषी चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हाईवे जाम कर दिया तथा शव उठाने से इनकार कर दिया। पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचकर समझाइश में जुटा रहा।

राजस्थान में सर्दी का असर कम तापमान में बढ़ोतरी के आसार

लोकतंत्र की शान

जयपुर। प्रदेश में सर्दी का असर अब धीरे-धीरे कम होने लगा है। दिन और रात के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में आगामी तीन दिनों तक मौसम साफ रहने और तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। हालांकि गुरुवार सुबह जयपुर सहित कई शहरों में बादल छाए रहे, लेकिन पिछले 24 घंटे के दौरान अधिकांश संभागों में मौसम साफ रहा और तेज धूप निकली। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार जयपुर, अजमेर, भरतपुर, उदयपुर, कोटा और जोधपुर संभाग के सभी शहरों में आसमान साफ रहा। बीकानेर संभाग के श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ क्षेत्र में हल्की धुंध और बादलों के कारण धूप कमजोर रही। राज्य के 25 शहरों में बुधवार को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर मापा गया, जिससे रात में सर्दी का असर कम महसूस हुआ। दिन के समय तापमान 25 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जिसके चलते कई शहरों में हल्की गर्मी का अहसास होने लगा है। चित्तौड़गढ़ में बुधवार को सर्वाधिक अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस मापा गया। राजधानी जयपुर और जोधपुर में रात का तापमान अपेक्षाकृत अधिक रहा। जयपुर में न्यूनतम तापमान 16.9 डिग्री और जोधपुर में 16.5 डिग्री सेल्सियस मापा गया। इसके अलावा बाड़मेर में 15.6, डूंगरपुर में 15.1, जालोर व झुंझुनूं में 14.6, अजमेर में 14.9, भीलवाड़ा में 13.6, अलवर में 13.4 तथा जैसलमेर में 13.7 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान मापा गया।सवाई माधोपुर में बुधवार को मौसम पूरी तरह साफ रहा और दिनभर तेज धूप खिली रही।

जनसुनवाई में दिव्यांग दीपक तक स्वयं पहुंचीं महापौर, संवेदनशीलता के साथ सुनी पीड़ा, पात्रता अनुसार शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के दिए निर्देश

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ
जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। नगर निगम कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान एक मानवीय दृश्य तब देखने को मिला, जब राम निवास सिंह वार्ड निवासी दिव्यांग नागरिक दीपक रैकवार अपनी समस्या लेकर महापौर से मिलने पहुंचे। दीपक की दिव्यांगता को देखकर महापौर प्रीति संजीव सूरी ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उन्हें अपने पास बुलाने के बजाय स्वयं उनके पास पहुंचकर गंभीरता के साथ उनकी पीड़ा सुनी। दीपक नें बताया कि गल्ला पर्ची जारी नहीं हो पाने के कारण उनके परिवार वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है। महापौर ने दीपक की परिस्थितियों को गंभीरता से समझते हुए योजना प्रभारी रविशंकर पांडेय को समक्ष में बुलाकर दीपक की गल्ला पर्ची जारी होने में आ रही दिक्कतों का समाधान करानें के निर्देश दिए। जिस पर योजना प्रभारी श्री पांडेय द्वारा तत्काल ही दीपक से आवश्यक दस्तावेज लेकर गल्ला पर्ची जारी किये जाने हेतु पोर्टल पर अपलोड कराने की कार्यवाही की गई। श्री पांडेय ने बताया कि शासन से गल्ला पर्ची जारी होते ही शीघ्र ही दीपक को राशन मिलना प्राप्त हो जायेगा। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने दीपक की दिव्यांगता को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें पात्रता के अनुसार शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु भी योजना प्रभारी को निर्देशित किया गया, ताकि उनका जीवन अधिक सहज और सम्मानजनक बन सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए शासन की योजनाएं तभी सार्थक है, जब उसका लाभ वास्तविक पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे। महापौर ने यह भी कहा कि नगर निगम प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के निराकरण प्रति संवेदनशील है और जनसुनवाई केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आमजन के दुःख-दर्द को समझने और समाधान का सशक्त माध्यम है।

संक्षिप्त समाचार

मदनी बोले-वंदे मातरम पर सरकार का आदेश आजादी पर हमला

नई दिल्ली। मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने वंदे मातरम के सभी छंद गाने का विरोध किया है। संगठन ने कहा कि सरकार का ये आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला है। संगठन ने सरकार के आदेश को एकतरफा और मनमाना बताया। जमीयत के प्रेसिडेंट मौलाना अरशद मदनी ने X पर एक पोस्ट में कहा कि

मुसलमान किसी को भी वंदे मातरम गाने या बजाने से नहीं रोकते, लेकिन गाने के कुछ छंद मातृभूमि को एक देवता के रूप में दिखाते हैं। ये हमारी मान्यताओं के खिलाफ हैं। केंद्र सरकार ने गुरुवार को एक आदेश जारी कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य कर दिया है। आदेश के मुताबिक राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे।

10 ट्रेड यूनियनों के भारत बंद का मिला-जुला असर

नई दिल्ली। किसान संगठनों और 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने गुरुवार को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल और 'भारत बंद' का आह्वान किया है। इस बंद को आम आदमी पार्टी (AAP) समेत कई विपक्षी दलों ने भी अपना समर्थन दिया है। हालांकि बंद का मिला-जुला असर दिखाई दे रहा है। पंजाब में भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के खिलाफ ट्रेड यूनियन, किसान संगठन और कर्मचारी संगठन आज हड़ताल पर हैं। कई जिलों में इसका मिलाजुला असर देखने मिल रहा है। कॉन्ट्रैक्ट

कर्मचारी हड़ताल पर हैं, लेकिन रेगुलर कर्मचारी सेवाएं मुहैया करवा रहे हैं। सरकारी विभागों में कामकाज जरूर प्रभावित हो रहा है, लेकिन बिल्कुल बंद नहीं है। बैंकिंग सेवाओं पर ज्यादा असर नहीं हड़ताल के चलते आम लोगों के मन में सवाल है कि क्या आज बैंक बंद रहेंगे? इसका जवाब है- नहीं। बैंक बंद नहीं हैं और सामान्य दिनों की तरह काम करेंगे। लेकिन हड़ताल के कारण कामकाज की स्पीड पर असर पड़ सकता है। बैंकों ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे फंड ट्रांसफर, बिल पेमेंट और अकाउंट मॉनिटरिंग जैसे कामों के लिए नेट बैंकिंग और मोबाइल एप का इस्तेमाल करें। ये सेवाएं पूरी तरह से चालू रहेंगी।

यूएन का दावा- दिल्ली ब्लास्ट की जिम्मेदारी जैश ने ली

नई दिल्ली। यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल (UNSC) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली के लाल किले के पास हुए ब्लास्ट की जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मद (JeM) ने ली है। 10 नवंबर 2025 को दिल्ली के लाल किले पर एक कार में ब्लास्ट हुआ था जिसमें 15 लोगों की जान गई थी। इसकी जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी(NIA) कर रही है। एजेंसियों ने इसे व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल बताया था। रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए

आतंकी हमले का भी जिक्र है। जिसमें कहा गया है कि पहलगाम हमले में शामिल तीनों आतंकी भी मारे जा चुके हैं। यह रिपोर्ट UNSC की 1267 सैंक्शंस कमेटी को सौंपी गई है। कमेटी ISIS, अल-कायदा जैसे आतंकी संगठनों पर नजर रखती है। रिपोर्ट के मुताबिक जैश प्रमुख मसूद अजहर ने अक्टूबर 2025 को महिला आतंकियों की एक अलग विंग बनाई थी। इसका नाम जमात-उल-मुमिनात है। यह विंग आतंकी गतिविधियों को सपोर्ट करने के लिए बनाई गई है। हालांकि ये विंग UN की लिस्ट में यह शामिल नहीं है। रिपोर्ट में सदस्य देशों के अलग-अलग आकलन का भी जिक्र है। कुछ देशों ने माना कि JeM आतंकी संगठन अभी भी टेररिस्ट एक्टिविटी को बढ़ावा दे रहा है। वहीं कुछ देशों ने इसे निष्क्रिय बताया है। दिल्ली ब्लास्ट के बाद NIA ने जांच शुरू की थी। एजेंसी को भी जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवात-उल-हिंद से जुड़े होने के लिंक मिले थे। इस मामले में अब तक 9 लोग गिरफ्तार हुए हैं। इनमें तीन डॉक्टर भी शामिल हैं। ये नेटवर्क को मदद करते थे।

बेंगलुरु में इंजीनियर ने चाकू मारकर माता-पिता की हत्या की

बेंगलुरु। बेंगलुरु में 33 साल के सॉफ्टवेयर इंजिनीयर ने चाकू मारकर अपने माता-पिता की हत्या कर दी। घटना बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे की है। आरोपी का नाम रोहन चंद्र भट्ट है। पुलिस के मुताबिक आरोपी रोहन ने स्टार्टअप के लिए माता-पिता से पैसे मांगे थे। मना करने पर उसने दोनों को चाकू से मार डाला। मृतकों की पहचान रिटायर्ड नेवी कैप्टन नवीन चंद्र भट्ट(60) और उनकी पत्नी डॉ.

श्यामला भट्ट(55) जो कि पेशे से डेंटिस्ट थीं, के रूप में हुई है। हमले के बाद आरोपी दोनों को मणिपाल अस्पताल लेकर गया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद अस्पताल की डॉक्टर माधवी नायर ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है। वे उसी अपार्टमेंट में रहती हैं। पुलिस ने आरोपी रोहन को मौके से ही हिरासत में ले लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। दंपति की एक बेटी भी है जो कि अमेरिका में रहती है। उसके पहुंचने के बाद ही शवों का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

कानपुर लेम्बोर्गिनी कांड-अरबपति का बेटा 7 घंटे में छूटा

कानपुर। कानपुर में तेज रफ्तार लेम्बोर्गिनी से 6 लोगों को टक्कर मारने वाले अरबपति कारोबारी का बेटा 7 घंटे में ही रिहा हो गया। आरोपी के वकील अनंत शर्मा ने बताया- पुलिस ने कोर्ट में 14 दिन की रिमांड मांगी थी। जज ने पूछा कि रिमांड क्यों चाहिए, जबकि सारी धाराएं जमानती हैं? इस पर इन्वेस्टिगेशन अफसर कोई ठोस जवाब नहीं दे पाए। इसके चलते कोर्ट ने रिमांड की अर्जी खारिज कर दी। फिर 20 हजार रुपए का बेल बॉन्ड भरने के बाद पुलिस ने उसे छोड़ दिया। पुलिस ने शिवम मिश्रा को गुरुवार सुबह 8 बजे घर के सामने से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने दावा किया था कि शिवम जांच में सहयोग नहीं कर रहा। गुरुवार को सूचना मिली कि आरोपी एंबुलेंस से भाग रहा है। खुद को छिपाए रखने के आधार पर उसे गिरफ्तार किया। मेडिकल कराने के बाद

पुलिस शिवम को AJCM कोर्ट लेकर पहुंची। कोर्ट के बाहर वीडियो बनाने पर शिवम मीडियाकर्मियों पर भड़क गया। इशारों में कहा- वीडियो क्यों बना रहे हो? पेशी के दौरान शिवम बीमार नजर आया। उसके हाथ में वीगो लगी थी। पुलिसवाले और रिश्तेदार उसे सहारा देते नजर आए। तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा ने अपने इकलौते बेटे शिवम को बचाने की तमाम कोशिशें कीं, लेकिन नाकाम रहे। केके मिश्रा ने 8 फरवरी को हादसे के तुरंत बाद पहले बेटे को घटनास्थल से हटवाया। फिर मीडिया से बातचीत में दावा किया कि मेरा बेटा गाड़ी नहीं चला रहा था। यही नहीं, मामले ने जब तूल पकड़ा तो सीएम योगी ने अफसरों को कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद कानपुर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल सामने आए। कहा कि गाड़ी कारोबारी का बेटा शिवम ही चला रहा था। जांच में इसकी पुष्टि हुई। कमिश्नर के इस बयान पर केके मिश्रा भड़क गए थे। कहा था कि कानपुर कमिश्नर झूठ बोल रहे। फिर बुधवार (11 फरवरी) को कानपुर कोर्ट में मोहन नाम का शख्स सरेंडर करने पहुंचा।

आरोप- इजराइल ने गाजा में प्रतिबंधित वैक्यूम बम गिराए थे

एजेंसी, वाशिंगटन डीसी

♦ इनसे तापमान 3,500 डिग्री पहुंचा, हजारों इंसान भाप बनकर गायब

इजराइल पर गाजा में 'वैक्यूम बम' इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। रिपोर्ट 'द रेस्ट ऑफ द स्टोरी' के मुताबिक, ये बम पहले हवा में ईंधन जैसा एक बादल फैलाते हैं और फिर उसमें आग लगा देते हैं। इससे बहुत बड़ा आग का गोला बनता है और आसपास की हवा खिंचकर एक तरह का जीरो (वैक्यूम) पैदा हो जाता है। इन धमाकों से तापमान 3,500 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इन बमों में एल्यूमिनियम और मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं, जो कुछ ही सेकेंड में शरीर को जला देते हैं। मिलिट्री एक्सपर्ट्स और चश्मदीदों का भी कहना है कि इजराइल ने वहां ऐसे हथियारों का इस्तेमाल किया, जिन्हें 'वैक्यूम बम', 'थर्मल' या 'थर्मोबैरिक' बम कहा जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलों में मारे गए कई लोगों के शव तक नहीं मिले। गाजा की सिविल डिफेंस टीम ने 2,842 ऐसे फिलिस्तीनियों का रिकॉर्ड दर्ज किया है, जिनके बारे में कहा गया कि दफनाने के लिए उनका कोई हिस्सा तक नहीं बचा। वहीं 3,500 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं।

सीजफायर लागू होने के बाद से गाजा में 500 लोगों की मौत: इस वक्त गाजा में औपचारिक सीजफायर लागू है और समझौते के 100 दिन पूरे होने के बाद यह दूसरे चरण में पहुंच चुका है, लेकिन तनाव अभी भी बना हुआ है। 10 अक्टूबर 2025 से अब तक 500 से ज्यादा फिलिस्तीनियों के मारे जाने की खबरें आई हैं। एक मां, यासमीन महानी, ने अपनी आपबीती सुनाई। 10 अगस्त 2024 को गाजा सिटी के अल-तबिन स्कूल पर हमले के बाद वह अपने बेटे साद को ढूंढ रही थीं। उन्हें वहां अपने पति तो मिल गए, लेकिन बेटे का कोई निशान नहीं मिला। उन्होंने बताया कि मस्जिद में उन्हें जमीन पर मांस और खून बिखरा मिला, लेकिन दफनाने के लिए बेटे का कोई हिस्सा तक नहीं मिला। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यासमीन जैसी हजारों माताएं आज भी अपने बच्चों को अस्पतालों और मुर्दाघरों में तलाश रही हैं। इस युद्ध में मरने वालों की संख्या 72,000 से ज्यादा बताई जा रही है। मानवाधिकार संगठनों ने इजराइल पर युद्ध अपराधों के आरोप लगाए हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि ऐसे बमों का इस्तेमाल घनी आबादी वाले इलाकों में करना बहुत गंभीर मामला है।

इजराइल पर तीन तरह के वैक्यूम बम इस्तेमाल करने का आरोप:

एमके-84 'हैमर': करीब 900 किलो का बम, जो 3,500 डिग्री तक तापमान पैदा कर सकता है। इसका दबाव और गर्मी शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं।

बांग्लादेश में मतदान के दौरान खुलना पोलिंग सेंटर पर झड़प, बीएनपी नेता की मौत

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में आज संसदीय चुनाव और राष्ट्रीय जनमत संग्रह के लिए हो रहे मतदान के दौरान खुलना-2 निर्वाचन क्षेत्र के एक पोलिंग सेंटर पर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी के समर्थकों के बीच हुई हिंसक झड़प में खूनखराबा हुआ। इस हिंसा में खुलना मेट्रोपॉलिटन बीएनपी के पूर्व नेता की मौत हो गई। चुनाव और पुलिस अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार इस हिंसा में खुलना मेट्रोपॉलिटन बीएनपी के पूर्व ऑफिस सेक्रेटरी 62 वर्षीय महिफुज्जमां कोच्चि की जान चली गई। सुबह करीब 7:30 बजे आलिया मदरसा एकेडमिक भवन पोलिंग सेंटर के बाहर हुई झड़प के बाद उन्हें खुलना सिटी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि एक जांच कमेटी बनाई गई है और घटना के हालात का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के मुताबिक सुबह आलिया मदरसा सेंटर पर बीएनपी और जमात समर्थकों के बीच तनाव बढ़ गया। मेट्रोपॉलिटन बीएनपी के पूर्व डिप्टी ऑफिस सेक्रेटरी शमसुज्जमां चंचल ने आरोप लगाया कि मतदान शुरू होने पर मतदान केंद्र के अंदर जमात के पक्ष में प्रचार किया जा रहा था। कोच्चि ने विरोध करने पर हंगामा हो गया और वह झड़प के दौरान गिर गए। चंचल ने दावा किया कि गिरने के बाद कोच्चि को हार्ट अटैक आया। खुलना सदर थाना प्रभारी कबीर हुसैन ने पुष्टि की कि मतदान केंद्र के भीतर हाथापाई हुई। मतदान केंद्र में मौजूद सब इंस्पेक्टरखान फैसल रफी ने कहा कि तनाव बढ़ते ही पुलिस ने दखल दिया और दोनों पक्षों को अलग किया। खुलना सिटी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. पार्थ रॉय ने कहा कि कोच्चि को मृत अवस्था में लाया गया। खुलना-2 से बीएनपी उम्मीदवार नजरुल इस्लाम मंजू ने दावा किया कि जमात नेताओं ने कोच्चि की हत्या कर दी।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने तोशखाना ट्रायल केस पर फैसला सुरक्षित रखा

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने आज पाकिस्तान तहरीक-ए- इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान से संबद्ध कई मामलों की सुनवाई की। न्यायालय ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) में चल रहे तोशखाना ट्रायल केस में रोक लगाने पर फैसला सुरक्षित रख लिया। साथ ही 16 फरवरी से पहले उनकी आंखों की जांच और बच्चों से टेलीफोन पर बात कराने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आंखों की जांच के दौरान परिवार की मौजूदगी की अर्जी खारिज कर दी। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) याह्या अफरीदी और न्यायमूर्ति शाहिद बिलाल की पीठ के सामने आज एमिकस क्यूरी (न्यायालय का मित्र) बैरिस्टर सलमान सफदर के अलावा अटॉर्नी जनरल पेश हुए। एमिकस क्यूरी सफदर ने इमरान को जेल में मिल रही सुविधाओं पर अपनी रिपोर्ट पढ़ी। इसमें कहा गया कि इमरान ने जेल में दी गई सुरक्षा और खाने की सुविधा पर संतुष्टि जाहिर की। सीजेपी याह्या अफरीदी ने कहा कि पीठ रिपोर्ट में की गई अनुशंसा की समीक्षा करने के बाद सही आदेश पास करेगी। उन्होंने कहा कि यह मामला इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के फैसले तक पेंडिंग रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इसी के साथ पीटीआई संस्थापक की स्वास्थ्य चिंताओं के बारे में भी अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। पीठ को बताया गया कि पीटीआई ने इमरान खान से मिलने के लिए अदियाला जेल के अधिकारियों को पार्टी के छह नेताओं की सूची दी है।

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव नहीं आएगा

एजेंसी, नई दिल्ली

भाजपा सांसद ने राहुल की सदस्यता खत्म करने का नोटिस दिया, कहा- वे गुमराह कर रहे

BJP सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा में सब्सटेंसिव मोशन पेश किया है। राहुल पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। दुबे ने राहुल की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव लड़ने पर लाइफटाइम बैन लगाने की मांग की है। मीडिया सूत्रों के मुताबिक, सरकार राहुल के खिलाफ सदन में उनकी स्पीच के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस नहीं लाएगी। इस पर प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदीजी ने छाती 56 इंच की नपवाई थी। उनके खिलाफ भी प्रस्ताव आना चाहिए। हालांकि, बीजेपी उनके (राहुल) भाषण से आपत्तिजनक हिस्से हटाने को लेकर अब भी अड़ी हुई है, क्योंकि उन्होंने अब तक अपने आरोपों को लेकर सबूत पेश नहीं किए हैं। बीजेपी के चीफ व्हिप संजय जायसवाल ने राहुल के बजट चर्चा के दौरान कहे गए कुछ अंशों को रिकॉर्ड से हटाने का औपचारिक नोटिस दिया है। इससे पहले, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने X पर एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें 4 फरवरी को लोकसभा स्पीकर के चैंबर में हंगामे का जिक्र है। रिजिजू ने दावा किया है कि विपक्षी सांसदों ने प्रियंका गांधी की मौजूदगी में गालियां दीं। हालांकि प्रियंका ने कहा कि गालियां देने वाली बात झूठी है। उन्होंने किसी को नहीं उकसाया। वे चुपचाप थीं। आखिर में केवल शांति से अपनी बात रखी थी।

हरदीप पुरी बोले-राहुल ने खुद को मूर्ख साबित किया एपस्टीन से दो मुलाकातों पर दोषी नहीं ठहरा सकते

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने आप को मूर्ख साबित कर लिया है। पुरी ने NDTV को दिए इंटरव्यू में एपस्टीन फाइल्स में अपना नाम आने और विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। हरदीप पुरी ने दावा किया कि जब वे काम से जुड़े मुद्दों पर अमेरिकी फाइनेंसर और बाल यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से मिले थे तो उन्हें असहजता महसूस हुई थी। उन्होंने कहा- मैंने एपस्टीन से मिलने की इच्छा नहीं जताई थी। ये मुलाकातें अरेंज की गई थीं। उन्होंने आगे कहा- दो मुलाकातों से किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मैं इस मामले में बेदाग हूं। उस समय तो मैं सरकार का हिस्सा भी नहीं था। उन्होंने कहा- राहुल गांधी ने तिल का ताड़ बनाना है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को संसद में दावा किया था कि अमेरिका में जारी किए गए एपस्टीन फाइल्स में हरदीप पुरी का नाम है। राहुल के आरोपों पर पुरी ने बुधवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस की और पहली बार माना था कि वह यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से तीन या चार बार मिले थे।

पुरी ने कहा- मुलाकात के समय एपस्टीन को नहीं जानता था: पुरी से इंटरव्यू में जब पूछा गया कि क्या आपको आपराधिक आचरण की जानकारी थी तो पुरी ने कहा- 'मैं नहीं जानता था कि वह कौन था। मैं पहली बार एपस्टीन से एक मीटिंग में मिला था। मुझे उसके बैकग्राउंड के बारे में पता नहीं था। पुरी ने NDTV को बताया- मैं इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूशन (IPI) से जुड़े एक डेलिगेशन के रूप में गया था। उसी दौरान एपस्टीन से मिला। मैं सार्वजनिक जीवन में कई तरह के लोगों से मिलता हूं, जिनमें से कुछ का आपराधिक रिकॉर्ड भी हो सकता है। पुरी ने कहा- पहली बार मुलाकात के दौरान मुझे नहीं पता था कि एपस्टीन कौन हैं। हमने उनके बारे में गूगल पर सर्च किया। फिर हमने आपस में भी चर्चा की कि हमें उनसे मिलना चाहिए या नहीं? पुरी ने एपस्टीन के आपराधिक मामलों से अपना कोई संबंध होने के आरोपों को बेबुनियाद बताया।

पुरी बोले- एपस्टीन को मीटिंग का इनविटेशन नहीं था: पुरी ने कहा- राजनीति में या सार्वजनिक जीवन में, अगर मैं सरकारी अधिकारी होता, तो मैं किसी को मैसेज भेजकर पूछता, 'क्या मुझे इस व्यक्ति से मिलना चाहिए?' लेकिन उस समय मैं IPI के साथ काम कर रहा था। पुरी ने कहा- हम दुनिया को समझने की कोशिश कर रहे थे। हमने एपस्टीन को वहां इनवाइट नहीं किया था। IPI के डेलिगेशन के हिस्से के रूप में एपस्टीन से तीन या चार बार मुलाकात की थी। पुरी ने बताया कि एपस्टीन IPI के सदस्य भी नहीं थे।

❑ मंत्री पर यौन अपराधी से संबंध के आरोप

पुरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- एपस्टीन से संबंध का आरोप बेबुनियाद: पुरी ने इससे पहले बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था- जब मैंने मई 2009 से न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत के रूप में कार्यभार संभाला था, तब से लेकर 2017 में मंत्री बनने तक की अवधि के 30 लाख ईमेल जारी किए गए हैं। इस दौरान, केवल तीन या चार बैठकों का ही जिक्र मिलता है और मेरी बातचीत पूरी तरह से पेशेवर थी। पुरी ने यह भी बताया कि वे लिंक्डइन के संस्थापक रीड हॉफमैन से भी मिले थे, लेकिन यह मुलाकात भारत में इंटरनेट और कारोबार के अवसरों पर पेशेवर चर्चा के लिए थी।

114 नए राफेल खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी

♦ फ्रेंच प्रेसिडेंट मैक्रों के भारत आने पर हो सकता है सौदा, 3.25 लाख करोड़ की डिफेंस डील

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय बजट 2026-27 में रक्षा मंत्रालय को 7.8 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो कुल बजट का 14.67% है। आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित 2.19 लाख करोड़ रुपए में से 1.85 लाख करोड़ रुपए पूंजीगत खरीद के लिए तय किए गए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 24% अधिक है।

मेक इन इंडिया के तहत होगा सौदा: यह सौदा 'मेक इन इंडिया' के तहत किया जाएगा। डसॉल्ट एविएशन एक भारतीय कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों को बनाएगी। हाल ही में डसॉल्ट ने डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड (DRAL) में अपनी हिस्सेदारी 49% से बढ़ाकर 51% कर ली है। इस जॉइंट वेंचर में अनिल अंबानी की रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर भी भागीदार है। डसॉल्ट सभी 114 राफेल जेट में भारतीय हथियार, मिसाइल और गोला-बारूद को इंटीग्रेट करेगा। साथ ही सुरक्षित डेटा लिंक भी उपलब्ध कराएगा, जिससे विमानों को भारतीय रडार और सेंसर सिस्टम से जोड़ा जा सकेगा। कंपनी एयरफ्रेम निर्माण के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (ToT) भी देगी। इंजन निर्माता साफ्रान और एवियोनिक्स कंपनी थेल्स भी इस प्रक्रिया का हिस्सा होंगी। टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पूरा होने के बाद इन विमानों में स्वदेशी कंटेंट 55 से 60 फीसदी तक होने की उम्मीद है।

हरियाणा में वीआईपी और वीवीआईपी फ्लाइट्स पर बढ़ाई सख्ती

♦ खराब मौसम में नहीं भर सकेंगे उड़ान, सीएम के हेलिकॉप्टर पर लागू होगा नियम

एजेंसी, हिसार

हरियाणा में अब खराब मौसम के दौरान VIP और VVIP विमान उड़ाना आसान नहीं होगा। खुद मुख्यमंत्री भी इस नियम से बाहर नहीं जा पाएंगे। सिविल एविएशन डिपार्टमेंट ने राज्य के विमानों की उड़ानों को लेकर ऐसा टेंडर जारी किया है, जिससे साफ संकेत मिलता है कि अब मौसम अनुकूल न होने पर उड़ान को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी। सरकार ने ई-फ्लाइट प्लानिंग, रियल-टाइम वेदर रिपोर्ट, नेविगेशन अलर्ट और लोड कंट्रोल जैसी शर्तों को अनिवार्य कर दिया है। इसका सीधा मतलब है कि अगर मौसम मानकों पर खरा नहीं उतरा, तो चाहे उड़ान वीआईपी की ही क्यों न हो, उसे रोका जा सकेगा। हाल के वर्षों में खराब मौसम के कारण हुए विमान और हेलीकॉप्टर हादसों को देखते हुए सिविल एविएशन डिपार्टमेंट ने ये कदम उठाया है, ताकि किसी भी तरह के जोखिम से पहले ही बचाव किया जा सके। सरकार की ओर से यह टेंडर 26 फरवरी को ओपन होगा। इस टेंडर में वे एजेंसियां और कंपनियां आवेदन कर सकती हैं, जो ई-फ्लाइट प्लानिंग, फ्लाइट डिस्पैच व मॉनिटरिंग और एविएशन सपोर्ट सेवाएं प्रदान करने में सक्षम हों।

हिमाचल में देशव्यापी हड़ताल का असर शिमला में आक्रोश रैली, जिलों में धरने

एजेंसी, शिमला

♦ 15 हजार बिजली कर्मचारी-इंजीनियर स्ट्राइक पर, स्वास्थ्य-बैंकिंग सेवाएं प्रभावित

केंद्र सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (PSU) बेचने और नए लेबर कोड के विरोध में आज राष्ट्रव्यापी हड़ताल का असर हिमाचल प्रदेश में भी देखने को मिला। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और विभिन्न फेडरेशन के आह्वान पर बुलाई गई इस हड़ताल के तहत किसान, मजदूर, कर्मचारियों ने सीटू के बैनर तले सभी जिला मुख्यालय, ब्लाक व तहसील स्तर पर भी आक्रोश रैली निकाली। इसका असर बैंकिंग, एलआईसी, बिजली, स्वास्थ्य इत्यादि सेवाओं पर देखने को मिला। शिमला में पंचायत भवन से डीसी ऑफिस तक रैली में सैकड़ों कर्मचारी व मजदूर जुटे। प्रदेश के 15 हजार से ज्यादा बिजली इंजीनियर व कर्मचारी दिनभर पेन और टूल डाउन स्ट्राइक पर है। इस दौरान हिमाचल के विभिन्न विभागों में सेवारत्त आउटसोर्स कर्मचारी, 108 एंबुलेंस कर्मी, ट्रीटमेंट प्लांट कर्मचारी, बिजली प्रोजेक्ट में काम करने वाले कर्मचारी, रेहड़ी-फड़ी व तहबाजारी यूनियन, होटल कर्मी, निर्माण मजदूर, मनरेगा मजदूर, उद्योग मजदूर, मिड डे मील वर्कर, बैंक, बिजली, बीएसएनएल और एलआईसी कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल हुए।

ऊना में प्रदर्शन: एमसी पार्क ऊना में भी विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने एकजुट होकर कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ खूब हो हल्ला बोला। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई।

जिला मुख्यालय पर मिड डे मील वर्कर्स का धरना शुरू: बिलासपुर में एटक से संबद्ध मिड डे मील वर्कर्स यूनियन ने केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोला। यूनियन ने साफ किया है कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

बड़े-बुजुर्ग हमारी अमूल्य सम्पत्ति हैं,उनके अनुभवों का खजाना हमारे युवाओं का भविष्य है

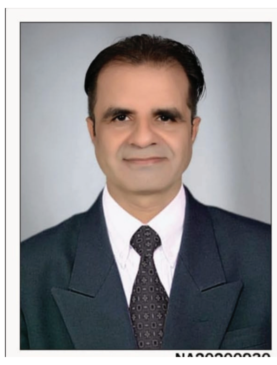

लोकतंत्र की शान

» भारतीय घरों में बड़े बुज़ुर्गों का होना बहुत सौभाग्य माना जाता है और माँ-बाप की सेवा करने वाली सन्तान श्रेष्ठ

» जब कोई बुज़ुर्ग निशब्द तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फिरादे,समझो वरदान, ख़ुशी आशीर्वाद एक साथ मिला -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - भारत आदि-अनादि काल से ही संस्कारों की खान रहा है। यहां की मिट्टी में ही गॉड गिफ्टेड संस्कारों की ऐसीअदृश्य शक्ति समाई हुई है कि मानव जन्म से ही संस्कारों की प्रतिभा मानवीय जीवों में समाहित हो जाती है इसमें कोई दो राय नहीं है, परंतु जीव की उम्र बढ़ने के साथ-साथ पाश्चात्य संस्कृति की ललक अनेक अपवाद स्वरूपी मनीषियों में समाहित हो जाती है,जो बड़े बुजुर्गों का सम्मान तो नहीं परंतु अनादर करने पर उतारू हो जाते हैं? जिससे समाज में यह दूषित भावना पनपने का संदेह बना रहता है। इसलिए हम आज के युग में देख रहे हैं कि शासन- प्रशासन सामाजिक संस्थाएं, बुद्धिजीवी वर्ग, बड़े बुजुर्गों का सम्मान सुनिश्चित करने हमारी हजारों वर्ष पुरानी परंपरा,धरोहर और वैचारिक शक्तिबल को संरक्षित, सुरक्षित करने के लिए अनेक वेबिनार, कार्यक्रम, अभियान चलाए जा रहे हैं । साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष्य की करें तो हमारे बड़े बुजुर्गों का ध्यान रखनें की जवाबदारी व जिम्मेदारी युवा वर्ग की अधिक है जिन्हें भारत माता की गोद से मिले संस्कारों को प्राथमिकता से सजग होकर रेखांकित करना अनिवार्य है। बड़े बुजुर्गों की सेवा कर उन्हें मान-सम्मान देकर अत्यधिक पुण्य कमाना है। क्योंकि जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारा तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फिरादे तो समझो वरदान ख़ुशी और आशीर्वाद एकसाथ तुम्हें यूं ही मिल गया क्योंकि बड़े बुजुर्गों में ईश्वर अल्लाह का एक रूप समाहित होता है। साथियों बात अगर हम वरदान ख़ुशी और आशीर्वाद की करें तो वैश्विक स्तरपर भारत सबसे पुरानां आध्यात्मिकता में गहरी आस्था रखने वाला देश है यहां आध्यात्मिकता का विस्तार तेजी से हुआ है जो एक अच्छी बात है परंतु मेरा मानना है कि उसी तेजी के साथ मनीषियों की आस्था माता-पिता, बड़े बुजुर्गों के मान सम्मान सेवाभाव के प्रति अपेक्षाकृत कम होकर संकुचित होने के संकेत हाल के पश्चात संस्कृति की घुसपैठ के चलते मिल रहे हैं।कई परिवार टूट रहे हैं, वृद्धाआश्रमों में बुजुर्गों की तादाद बढ़ रही है आखिर ऐसा क्यों ? मैंने अनेक ऐसे मनीषियों को भी देखा है जो अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों से तो अलग रहते हैं, उनकी सेवा खुशी का ध्यान नहीं परंतु आध्यात्मिकता क्षेत्र में उनके नामपर बहुत बड़े सेवा भावी होंनें और आस्था का डंका बजता है यह देख मुझे बहुत हैरानी होती है। साथियों बात अगर हम ऐसे बड़े बुजुर्गों की करें जिनको अपनों ने ठुकराया है तो मैंने स्वयंम कुछ बुजुर्गों से बात की तो उनका बड़प्पन देखिए कि अपने दुख दर्द बांटने की अपेक्षा उन्होंने अपनों की तारीफ ही की,वाह क्या बात है,आप ईश्वर अल्लाह के तुल्य हैं कहकर अनायास ही मेरे हाथ उनके चरणों में झुक गए तो उनकी आंखों में आंसू आ गए। साथियों ऐसे अनेक पीड़ित हर मेट्रोसिटी, शहर,गांव में हैं ऐसे किस्से हमें अपने शहरों में भी ज़रूर देखने कोमिलते होंगे जिसे हम सब को मिलकर इस स्थिति को बदलना की ओर कदम बढ़ाना ही होगा। साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों के वरदान खुशी और आशीर्वाद की करें तो मेरा मानना है कि इनकी आशीर्वाद वरदान इस सृष्टि में सबसे बड़ा है इसके तुल्य किसी आध्यात्मिक आस्था मेंआशीर्वाद वरदान नहीं होंगे बस हम मनीषियों को यह बात अपने हृदय व मस्तिष्क में फिट करनी होगी। साथियों बात अगर हम नई पीढ़ी, युवकों की करें तो, बूढ़े व्यक्ति के पास स्मृतियां, जवान के पास कल्पनाएं हैं, यदि घर-घर दोनों का मेल बने तो कमाल हो जायेगा। धरती पर स्वर्ग उतर आयेगा, जबकि नई पीढ़ी को चाहिए माता-पिता के उत्तम गुणों के वारिस बनें, अपने बड़ों को मान दें, क्योंकि वृद्धों का जो वर्तमान है, वही युवाओं का भविष्य है। इसलिए यदि नई पीढ़ी अपने बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद वरदान लेंने, उनका देवताओं की तरह पूजन करने, मिलकर रहने, सहयोग करने की सोच अपना ले, तो घरों केअन्दर प्रेम, सद्भाव जाग जाएगा और धरती में स्वर्ग उतर आयेगा। साथियों जरूरत है युवा-वर्ग माँ-बाप की अवहेलना न करे। बड़ों के प्रति सम्मान की भावना रहे। क्योंकि बूढ़ी आंखों में जब आंसू आते हैं, हृदय पर जब व्यंग बाण लगते हैं, शरीर काम नहीं करता और नींद आती नहीं तो ऐसे में व्यक्ति का जीना कठिन हो जाता है। वैसे भी बड़े-बुजुर्ग हमारी अमूल्य सम्पत्ति हैं। उनके पास अनुभवों का खजाना है, इसलिए उनके अनुभवों का लाभ उठाएं। कभी भूलकर भी उनसे अपशब्द न कहें। साथ ही अपने बच्चों को बड़ों के पास बैठने का अवसर दिया करें, क्योंकि उनके आशीर्वादों से बच्चे फलते- फूलते हैं। अन्य लोग स्वयं भी बुजुर्गों के पास दो मिनट बैठकर उनकी बात सुनें,उनका हाल- चाल पूछें।जिस व्यक्ति के सिरपर माँ-बाप का साया है, वह धन्य है। घर में बड़े बुजुर्गों का होना बहुत सौभाग्य माना जाता है और माँ-बाप की सेवा करने वाली सन्तान श्रेष्ठ। बच्चे को माता- पिता से आशीर्वाद माँगना नहीं पड़ता, अपने आप हृदय से मिल जाता है और माँ-बाप के हृदय से निकले हुए इस आशीष की कोई समानता नहीं है।बड़ी विडंबना का समय है पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव के कारण आज के युवा माँ-बाप को नमन-वन्दन करने में लजाते हैं,जब कि कोई बच्चा व युवा जब अपने माता-पिता, दादा- दादी अथवा सद्गुरु के चरणों में शीष झुकाता है, तो उनके दिल में आनन्द की हिलोर उठने लगती है और तेजरूपी प्रकाश की किरणें विनम्र् होते ही चरणों में झुके सुपुत्र, सदशिष्य के अन्दर प्रवेश कर जाती हैं। जिसके प्रतिफलस्वरूप उस युवा को आयु, विद्या, यश और बल की प्राप्ति होती है। ये चारों अनमोल उपहार किसी अन्य कीमत एवं किसी अन्य स्थान से प्राप्त नहीं हो सकते। इनका केन्द्र तो माता-पिता, वृद्धजन एवं गुरुजन ही हैं। अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे किबड़े-बुजुर्ग हमारी अमूल्य सम्पत्ति हैं,उनके अनुभवों का खजाना हमारे युवाओं का भविष्य है भारतीय घरों में बड़े बुजुर्गों का होना बहुत सौभाग्य माना जाता है और माँ-बाप की सेवा करने वाली सन्तान श्रेष्ठ जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फिरादे, समझो वरदान, ख़ुशी आशीर्वाद एक साथ मिला

-संकलनकर्ता लेखक
- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक
चिंतक कवि संगीत माध्यमा
सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन
सनमुखदास भावनानीं गोंदिया
महाराष्ट्र 9284141425

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, फाल्गुन कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथि एकादशी, शुक्रवार, मूल नक्षत्रे, वल योगे, वालव करणे, धनु की चंद्रमा, भद्रा 12/14 विजया एकादशी व्रत, कुंभे रवि 4/38 मूल समाप्त दिन 3/23, लघु वृक्षारोपण मुर्हूत तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल-आज जन्म लिया बालक उद्योगपति, जिद्दी-हठी, साहसी तथा शिक्षा, शिक्षाविद्, संस्कृत विद्या धारण करने वाला, धनी होगा।

मेष राशि :- बेचैनी, उद्विघ्नता से बचिये, सोचे कार्य समय पर पूर्ण होंगे, समय स्थिति का ध्यान अवश्य रखें।

वृष राशि :- सफलता के साधन जुटायें, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि अवश्य होगी, कार्य पर ध्यान दें।

मिथुन राशि :- चिन्तायें कम होंगी, सफलता के साधन जुटायें, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी।

कर्क राशि :- धन का व्यर्थ व्यय, समय व शक्ति नष्ट होगी तथा कार्य विघटन अवश्य होगा।

सिंह राशि :- भोग-ऐश्वर्य में समय बीतेगा, विरोधियों से व्यर्थ टकराव होगा, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि :- धन व समय नष्ट होगा, क्लशे व अशांति बनेगी तथा यात्रा से कष्ट होगा।

तुला राशि :- परिश्रम से सफलता के साधन अवश्य जुटायें, कार्यगति में बाधा बनेगी ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- चोटादि से बचिये, क्लेश व अशांति से बचिये, कष्ट अवश्य होगा।

धनु राशि :- भाग्य का सितारा बुलन्द होगा, मेहनत कर रुके कार्य बना लें अन्यथा हानि होगी।

मकर राशि :- परिश्रम विफल होगा, चिन्ता व यात्रा, व्यवधान तथा समस्या का निदान अवश्य ढूंढ लें।

कुंभ राशि :- आकस्मिक घटना से चोटादि का भय होगा, रुके कार्य अवश्य बना लें।

मीन राशि :- अधिकारियों से कष्ट, मित्र सहायक होंगे, समय स्थिति का ध्यान रखकर कार्य करें।

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति 'नए भारत' और 'विकसित भारत' की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है। एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक "गोल्डन ऑवर" में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है।

वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत नकारात्मक हो सकता है कि साइबर सुरक्षा का ढांचा पर्याप्त सुदृढ़ नहीं है। अतः यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है। समाधान के स्तर पर तुलनात्मक रूप से देखें तो विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में रखा है। वहाँ विशेषीकृत एजेंसियाँ, उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ, त्वरित डेटा साझा करने की प्रणाली और सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं।

भारतीय स्वतंत्रता सेनानी सरोजिनी नायडू जयंती की जयंती के कारण राष्ट्रीय महिला दिवस

लेखक : संजय गोस्वामी

सरोजिनी नायडू, मशहूर कवयित्री और स्वतंत्रता सेनानी जिन्हें भारत कोकिला के नाम से जाना जाता है, सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, 1879 को हैदराबाद, भारत में बंगाली ब्राह्मण माता-पिता अघोरनाथ चट्टोपाध्याय और बरदा सुंदरी देवी के घर हुआ था। उनकी जयंती हर साल राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाई जाती है। सरोजिनी नायडू (13 फरवरी, 1879 - 2 मार्च, 1949) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की एक प्रमुख कार्यकर्ता, प्रभावशाली वक्ता और कवयित्री थीं। उनका जन्म हैदराबाद में एक समृद्ध परिवार में हुआ था। उनका पहला विवाह सरोजिनी अघोर्नाथ चट्टोपाध्याय (चटर्जी) से हुआ था। अघोर्नाथ का परिवार पूर्वी बंगाल के ब्रह्मनगर गांव से था। वे एक शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने के उद्देश्य से 1878 में हैदराबाद आए और बाद में निज़ाम कॉलेज के प्रधानाचार्य बने। एक शिक्षाविद और उत्साही कार्यकर्ता के रूप में ख्यातिप्राप्त अघोर्नाथ ने सरोजिनी को बहुत प्रभावित किया। उनकी माता वरदासुंदरी देवी मूल रूप से बंगाल की थीं और एक बंगाली कवयित्री थीं। बचपन से ही सरोजिनी अपने सुसंस्कृत माता-पिता से प्रभावित थीं, जिसने उनकी काव्य प्रतिभा को पोषित किया और उन्हें कम उम्र से ही कविता लिखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा निजी तौर पर घर पर ही प्राप्त की। बारह वर्ष की आयु में उन्होंने मद्रास मैट्रिकुलेशन परीक्षा (1892) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। नायडू ने 12 साल की उम्र में लिखना शुरू किया था। फ़ारसी में लिखे उनके नाटक, माहेर मुनीर ने हैदराबाद के निज़ाम को बहुत प्रभावित किया था। उन्होंने 12 वर्ष की आयु में मद्रास विश्वविद्यालय (अब चेन्नई) में प्रवेश लिया और किंग्स कॉलेज लंदन में अध्ययन किया, बाद में उन्होंने गर्टन कॉलेज, कैम्ब्रिज (1895-98) में भी पढ़ाई की। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड में मताधिकार आंदोलन में भाग लिया। वे 1898 में भारत लौटीं और इंग्लैंड में मिले दक्षिण भारतीय चिकित्सक गोविंदराजू नायडू से विवाह किया। 1898 में भारत लौटने के बाद, उन्होंने ब्रह्म समाज की परंपराओं के अनुसार निज़ाम के दरबार में सेवारत विधवा चिकित्सक डॉ. गोविंदराजुलु नायडू से विवाह किया। यह विवाह अंतर-प्रांतीय और अंतर-जातीय होने के कारण उल्लेखनीय था, जिसने बंगाल और मद्रास को जोड़ा। उनकी बेटी पद्मजा नायडू ने अपनी मां के पदचिन्हों पर चलते हुए भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और राजनीति में कदम रखा। सरोजिनी नायडू का मानना था कि राष्ट्रवादी आंदोलन महिला मुक्ति आंदोलन से जुड़ा हुआ है। वे महिला भारतीय संघ से जुड़ी थीं, जिसका उद्देश्य महिलाओं के मतदान अधिकारों को मजबूत और सुरक्षित करना था। 1917 में, नायडू ने अंग्रेज नारीवादी एनी बेसेंट और भारतीय मताधिकार समर्थक हेराबाई टाटा के साथ मिलकर भारत के राज्य सचिव (1917-1922) एडविन मोंटेगू और भारत के वायसराय (1916-1921) लॉर्ड चेम्सफोर्ड के साथ महिलाओं के मतदान अधिकारों पर चर्चा करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। 1919 के भारत सरकार अधिनियम ने महिलाओं को भारतीय प्रांतीय परिषदों में मतदान का अधिकार प्रदान किया। हालांकि, यह अधिकार राष्ट्रव्यापी स्तर पर सीमित था। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, सार्वभौमिक मताधिकार स्थापित हुआ। महात्मा गांधी और सरोजिनी नायडू ने 1930 के नमक मार्च में एक साथ भाग लिया। यह मार्च भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की एक महत्वपूर्ण घटना थी, जिसके परिणामस्वरूप 60,000 से अधिक भारतीयों को गिरफ्तार किया गया। 1920 के दशक के दौरान नायडू राजनीति में तेजी से सक्रिय हो गईं और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और गांधी के असहयोग आंदोलन का समर्थन किया। 1924 में, उन्होंने पूर्वी अफ्रीका और दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया ताकि वहां रहने वाले भारतीयों का समर्थन किया जा सके, और अगले वर्ष, वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनने वाली पहली भारतीय महिला बनीं - उनसे आठ साल पहले एनी बेसेंट इस पद पर थीं। नायडू ने 1928-29 में राष्ट्रवादी आंदोलन पर व्याख्यान देने के लिए उत्तरी अमेरिका की यात्रा भी की। भारत लौटने पर, उनकी ब्रिटिश विरोधी गतिविधियों - विशेष रूप से नमक सत्याग्रह, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन - के कारण उन्हें 1930, 1932 और 1942-43 में कई बार जेल जाना पड़ा।लंदन और कैम्ब्रिज में कुछ समय अध्ययन करने के बाद, स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी और इटली की यात्रा करने के बाद वे भारत लौट आईं। इसी दौरान उनकी मुलाकात अंग्रेजी साहित्य समीक्षक एडमंड गोसे से हुई, जिन्होंने उन्हें उनकी कुछ कविताएँ दिखाईं और उनके भविष्य के लेखन के लिए बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया। परिणामस्वरूप, उस समय इसे काफी प्रसिद्धि मिली और इसने सरोजिनी के सामाजिक कार्यों की शुरुआत को चिह्नित किया। उनके चार बच्चे थेः जयसूर्या, पद्मजा, रणधीर और लैलामणि। रणधीर बाद में हैदराबाद के राजनीतिक आंदोलन में प्रमुख बन गए, जबकि पद्मजा बंगाल की राज्यपाल बनीं पद्मजा नायडू (17 नवंबर 1900 – 2 मई 1975) एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ थीं, जो 3 नवंबर 1956 से 1 जून 1967 तक पश्चिम बंगाल की चौथी राज्यपाल रहीं। सरोजिनी नायडू गोखले को अपना गुरु मानती थीं और गांधीजी के नेतृत्व को पूरी निष्ठा से स्वीकार करती थीं। हैदराबाद में प्लेग के प्रकोप के दौरान, उन्होंने हर संभव तरीके से लोगों की सहायता करने के लिए अथक प्रयास किए। उनके प्रयासों के लिए उन्हें कैसर-ए-हिंद स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया, लेकिन जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद उन्होंने विरोध में इसे ब्रिटिश सरकार को लौटा दिया। उन्होंने रॉलेट एक्ट, मोंटेगू-चेम्सफोर्ड सुधार, खिलाफत आंदोलन और साबरमती संधि सहित विभिन्न आंदोलनों के माध्यम से कांग्रेस के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार किया और गांधीजी के असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। वे जी.के. गोखले, रवींद्रनाथ टैगोर, लोकमान्य तिलक, एनी बेसंत, सी.पी. रामास्वामी अय्यर, जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी और अन्य प्रख्यात हस्तियों के विचारों और आचरण से प्रभावित होकर उनसे अक्सर मिलती थीं। उन्होंने होम रूल लीग को बढ़ावा देने के लिए एनी बेसंत और सी.पी. रामास्वामी अय्यर के साथ भारत का दौरा किया। अपने भाषणों में उन्होंने युवाओं और श्रमिकों के कल्याण, गरिमा, महिलाओं की स्वतंत्रता और राष्ट्रवाद की वकालत की। गोसे ने उनकी कविताओं के पहले संग्रह, *द गोल्डन थ्रेशहोल्ड* (1905) की प्रस्तावना लिखी, जिसे उस समय के साहित्यिक जगत में काफी लोकप्रियता मिली और समाचार पत्रों से सकारात्मक समीक्षाएँ प्राप्त हुईं। इसके अलावा, रवींद्रनाथ टैगोर ने सरोजिनी के कार्यों की प्रशंसा की।सरोजिनी हिंदू-मुस्लिम एकता और महिलाओं के पुरुषों के समान काम करने के अधिकार को अपने जीवन का लक्ष्य मानती थीं। उन्होंने गृह शासन संघ के अवसर पर देश भर में अनेक व्याख्यान दिए और गोखले जैसे प्रमुख व्यक्तित्व भी उनके प्रभावशाली भाषण से प्रभावित हुए।

लोकतंत्र की निर्णायक घड़ी या कट्टरपंथ की दस्तक, बांग्लादेश के लिए अस्तित्व का चुनाव

लेखक -कांतिलाल मांडोत

बांग्लादेश आज अपने इतिहास के एक अत्यंत संवेदनशील मोड़ पर खड़ा है। तेरहवें आम चुनाव के लिए हो रहा मतदान केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह उस दिशा का निर्धारण भी है जिस ओर यह दक्षिण एशियाई राष्ट्र आगे बढ़ेगा। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने और भारत में शरण लेने के बाद यह पहला राष्ट्रीय चुनाव है। ऐसे समय में जब राजनीतिक परिदृश्य अस्थिर है और समाज में अविश्वास गहराया हुआ है तब यह चुनाव लोकतंत्र की परीक्षा भी है और सामाजिक सौहार्द की भी। देश के लगभग बारह करोड़ अस्सी लाख मतदाता आज अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। मतदान के लिए सफेद मतपत्र नई सरकार के चयन हेतु है जबकि पिंक मतपत्र के माध्यम से जुलाई नेशनल चार्टर नामक संवैधानिक संशोधन पर भी जनमत लिया जा रहा है। इस दोहरे मतदान ने चुनाव को और अधिक निर्णायक बना दिया है। एक ओर सरकार चुनने की प्रक्रिया है तो दूसरी ओर संविधान की आत्मा में परिवर्तन का प्रस्ताव है। ऐसे में यह चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि राष्ट्र की विचारधारा की दिशा तय करने वाला जनमत संग्रह बन गया है। चुनावी माहौल में डर और असुरक्षा की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। विशेषकर हिंदू समुदाय के बीच भविष्य को लेकर गहरी चिंता है। पिछले कुछ महीनों में हुई घटनाओं ने इस आशंका को और बढ़ाया है। विभिन्न जिलों में मंदिरों पर हमले हुए हैं दुकानों में आगजनी हुई है और समुदाय विशेष के लोगों को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आई हैं। रंगपुर में सुसेन चंद्र सरकार की हत्या ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। खुलना में मंदिर में तोड़फोड़ की गई। चटगांव में दीपक साहा की दुकान को लूटा गया और आग के हवाले कर दिया गया। लालमोनिरहाट में एक शिक्षक के परिवार पर हमला हुआ। बरिसाल में गौरव दास को चुनावी रैली के बाद चाकू मारा गया। इन घटनाओं ने चुनाव को केवल राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा का मुद्दा बना दिया है। राजनीतिक परिदृश्य में भी बड़ा बदलाव आया है। लंबे समय तक सत्ता में रही अवामी लीग इस चुनाव में मुख्य दावेदार के रूप में नहीं दिख रही। मैदान में मुख्य रूप से बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी और जमात ए इस्लामी के नेतृत्व वाला गठबंधन है। बीएनपी का नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के हाथों में है। अधिकांश सर्वेक्षणों में बीएनपी को बढ़त मिलती दिखाई दे रही है। दूसरी ओर जमात ए इस्लामी एक व्यापक गठबंधन के साथ चुनाव मैदान में है जिसमें नवगठित नेशनल सिटिजन पार्टी भी शामिल है। इस गठबंधन की वैचारिक दिशा को लेकर समाज में बहस तेज है क्योंकि जमात लंबे समय तक प्रतिबंधित रही और उस पर कट्टरपंथी एजेंडा चलाने के आरोप लगते रहे हैं। हिंदू समुदाय के कई लोग खुद को राजनीतिक रूप से असहाय महसूस कर रहे हैं। उनका मानना है कि मुख्य दलों में कोई भी स्पष्ट रूप से उदारवादी या मध्यममार्गी दृष्टिकोण लेकर सामने नहीं आया है। कुछ मतदाता बीएनपी को अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प मान रहे हैं जबकि जमात के प्रभाव को लेकर आशंका व्यक्त कर रहे हैं। ढाका के एक मतदाता ने कहा कि वे ऐसे दल को वोट देंगे जो देश को धार्मिक कट्टरता की ओर न ले जाए। यह भावना केवल एक व्यक्ति की नहीं बल्कि उस वर्ग की है जो स्थिरता और समान अधिकारों की गारंटी चाहता है। चुनाव आयोग ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। लगभग डेढ़ लाख से अधिक पुलिस और सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। करीब एक लाख सैनिक भी विभिन्न क्षेत्रों में तैनात हैं। देश के आधे से अधिक मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है। अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों में सुरक्षा कैमरे लगाए गए हैं। एक क्षेत्र में उम्मीदवार की मृत्यु के कारण मतदान स्थगित कर दिया गया है। इन व्यवस्थाओं से स्पष्ट है कि प्रशासन संभावित हिंसा को लेकर सतर्क है। चुनाव प्रचार के दौरान हुई हिंसक घटनाएं स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं। दिसंबर से फरवरी के बीच राजनीतिक झड़पों में कई लोगों की जान गई और सैकड़ों घायल हुए। मानवाधिकार संगठनों ने पिछले डेढ़ वर्ष में राजनीतिक हिंसा में बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने और हजारों के घायल होने की जानकारी दी है। यह आंकड़े लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर गहरे सवाल खड़े करते हैं। यदि चुनाव हिंसा की छाया में होगा तो उसकी वैधता पर भी प्रश्न उठेंगे।

इस बार का चुनाव एक वैचारिक संघर्ष भी है। क्या बांग्लादेश अपने संविधान की मूल भावना धर्मनिरपेक्षता और बहुलतावाद को बनाए रखेगा या धार्मिक पहचान को राजनीतिक शक्ति के रूप में स्वीकार करेगा। पिंक मतपत्र के माध्यम से प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन इसी दिशा का संकेत देगा। यदि मतदाता बड़े पैमाने पर संशोधन का समर्थन करते हैं तो देश की राजनीतिक संरचना में दीर्घकालिक परिवर्तन संभव है। यदि वे इसे अस्वीकार करते हैं तो यह वर्तमान व्यवस्था पर भरोसे का संकेत होगा। अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी इस चुनाव पर नजर रखे हुए है। दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए बांग्लादेश की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत के साथ उसके संबंध रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से अहम हैं। शेख हसीना के भारत में रहने के कारण यह चुनाव द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण हो गया है। नई सरकार की नीतियां क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर सकती हैं। आम मतदाता के लिए यह चुनाव केवल राजनीतिक बहस का विषय नहीं बल्कि रोजमर्रा के जीवन से जुड़ा प्रश्न है। आर्थिक चुनौतियां बेरोजगारी महंगाई और सामाजिक असुरक्षा लोगों की प्राथमिक चिंताएं हैं। यदि नई सरकार इन मुद्दों पर ठोस कदम उठाने में विफल रहती है तो असंतोष और बढ़ सकता है। इसलिए मतदाता केवल विचारधारा नहीं बल्कि शासन क्षमता को भी परख रहे हैं। बांग्लादेश ने अपने स्वतंत्रता संघर्ष से लेकर अब तक कई उतार चढ़ाव देखे हैं। सैन्य शासन से लोकतंत्र की ओर वापसी और फिर राजनीतिक ध्रुवीकरण का दौर देश की यात्रा का हिस्सा रहा है।

फ्रांसिस्को सेरुंडोलो अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। लोकल फेवरेट और टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो बुधवार को बोलीविया के ह्यूगो डेलियन को 6-0, 7-6 (6) से हराकर अर्जेंटीना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

वर्ल्ड नंबर 19 सेरुंडोलो ने शुरुआती सेट में दम दिखाया और दूसरे सेट में आठ सेट पॉइंट बचाकर ब्यूनस आयर्स लॉन टेनिस क्लब के आउटडोर क्ले कोर्ट पर एक घंटे 24 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। 27 साल के सेरुंडोलो ने कहा, शुरुआत में चीजें जिस तरह से हुईं, उससे मैं खुश था लेकिन फिर उसने अग्रेसिव खेलना शुरू कर दिया और यह मुश्किल हो गया। मैंने कुछ सेट पॉइंट बचाए और मैं बस आगे बढ़कर खुश हूं। सेरुंडोलो एटीपी 250 इवेंट के अगले राउंड में चेक रिपब्लिक के विट कोप्रिवा से भिड़ेंगे। कोप्रिवा ने दिन में पहले इटली के आठवें सीड मातियो बेरेटिनी को 6-4, 6-3 से हराकर आगे बढ़े। बुधवार को दूसरे मैचों में, टॉमस एचेवेरी ने अर्जेंटीना के साथी रोमन बुरुचागा को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया और चिली के एलेजांद्रो टेबिलो ने ब्राजील के तीसरे सीड जोआओ फोंसेका को 6-3, 3-6, 7-5 से हराया।

मोहम्मद नबी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तोड़ा आईसीसी का नियम, लगा भारी जुर्माना

दुबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी पर टी20 विश्व कप 2026 ग्रुप डी के मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी अचार संहिता के लेवल 1 को तोड़ने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के मुताबिक नबी को कोड के आर्टिकल 2.4 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो इंटरनेशनल मैच के दौरान अंपायर के निर्देश को न मानने से जुड़ा है। यह घटना अफगानिस्तान की पारी के 14वें ओवर की शुरुआत में हुई, जब नबी दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के रिस्टबैंड को लेकर मैदानी अंपायरों से बात कर रहे थे। लेवल 1 के उल्लंघन पर कम से कम ऑफिशियल फटकार और ज़्यादा से ज़्यादा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 परसेंट जुर्माना हो सकता है। मैच का अंत बहुत ही नाटकीय तरीके से हुआ, जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने दो सुपर ओवर के बाद रोमांचक जीत हासिल की।

टी-20 वर्ल्ड कप

शनाका ने श्रीलंका के लिए लगाई सबसे तेज फिफ्टी

जयवर्धने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड ध्वस्त

पल्लेकेले (एजेंसी)। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने 12 फरवरी को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ओमान के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 मुकाबले में ऐसी पारी खेली, जिसने रिकॉर्ड बुक में बदलाव करने पर मजबूर कर दिया। आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए शनाका ने महज़ 19 गेंदों में अर्धशतक जड़ दिया और श्रीलंका के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज फिफ्टी का नया कीर्तिमान बना दिया। उनकी इस विस्फोटक पारी ने न सिर्फ़ मैच का रुख बदल दिया, बल्कि टूर्नामेंट में श्रीलंका की दावेदारी भी बेहद मजबूत कर दी। कप्तान दासुन शनाका सहित तीन बल्लेबाजों के अर्धशतक और बाद में धारदार गेंदबाजी की मदद से श्रीलंका ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मैच में गुरुवार को यहां ओमान को 105 रन से करारी शिकस्त देकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। कुसल मेंडिस (45 गेंद पर 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंद पर 60) और शनाका (20 गेंद पर 50) ने अर्धशतक जमाए और ओमान के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के धुर्रे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

19 गेंदों में अर्धशतक, टूटा अपना ही रिकॉर्ड

दासुन शनाका शुरू से ही आक्रामक मूड में नजर आए। ओमान के गेंदबाज़ों पर उन्होंने पावर-हिटिंग का ऐसा प्रदर्शन किया कि फील्डिंग टीम के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 19 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की और 2023 में भारत के खिलाफ बनाए गए अपने 20 गेंदों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस पारी में शनाका ने चौकों-छक्कों की झड़ी लगा दी और रनगति को लगातार ऊंचा बनाए रखा। कप्तान के तौर पर उनकी यह पारी टीम के लिए प्रेरणादायक भी रही, क्योंकि बड़े मंच पर तेज़ शुरुआत अक्सर मैच की दिशा तय कर देती है।

जयवर्धने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी ध्वस्त

शनाका की यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत रिकॉर्ड तक सीमित नहीं रही। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में श्रीलंका की ओर से सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह कीर्तिमान महेला जयवर्धने के नाम था, जिन्होंने टूर्नामेंट के पहले संस्करण में केन्या के खिलाफ 21 गेंदों में पचासा जड़ा था। जयवर्धने जैसे दिग्गज का रिकॉर्ड तोड़ना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इससे साफ है कि शनाका बड़े मंच पर जिम्मेदारी संभालने में सक्षम हैं और टीम के लिए मैच विनर की भूमिका निभा सकते हैं।

प्लेइंग इलेवन

श्रीलंका – पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), पवन रथनायके, कामिंडू मेंडिस, दासुन शनाका (कप्तान), दुशान हेमंथा, दुनिथ वेल्लालेज, दुष्मंथा चमीरा, महेश थीकशाना, मथीशा पथिराना

ओमान – आमिर कलीम, जतिंदर सिंह (कप्तान), हम्माद मिर्जा, वसीम अली, मोहम्मद नदीम, जितेन रामानंदी, विनायक शुक्ला (विकेट कीपर), सुफियान महमूद, नदीम खान, शाह फैसल, जय ओडेड्रा

श्रीलंका का विशाल स्कोर और जीत

कप्तान की विस्फोटक पारी के दम पर श्रीलंका ने पहले 260/6 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो टी20 वर्ल्ड कप इतिहास के सबसे बड़े स्कोरों में शामिल हो गया। हालांकि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार यह आंकड़ा 225/5 के रूप में दर्ज हुआ, जो टूर्नामेंट के इतिहास का चौथा सबसे बड़ा स्कोर माना जा रहा है। इससे पहले 9 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका ने कनाडा के खिलाफ 213/4 बनाए थे, जिसे श्रीलंका ने पीछे छोड़ दिया। इसी के साथ ही श्रीलंका ने ओमान को लक्ष्य प्राप्ति के दौरान 9 विकेट के नुकसान पर 120 रन पर रोकते हुए 105 रन से बड़ी जीत दर्ज की। शनाका और मेंडिस 19वें ओवर में लगातार गेंदों पर आउट हो गए। कामिंदु मेंडिस (नाबाद 19) ने शाह फैसल को लगातार दो छक्के लगाकर पारी का शानदार अंत किया। श्रीलंका ने आखिरी चार ओवरों में 65 रन बनाकर वर्तमान टूर्नामेंट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। ओमान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने जल्द ही तीन विकेट गंवा दिए। कप्तान जतिंदर सिंह (01) फिर से नाकाम रहे और चमीरा ने उन्हें पारी के पहले ओवर में ही पवेलियन की राह दिखा दी। दूसरे सलामी बल्लेबाज अमीर कलीम (06) भी दूसरे ओवर में तीक्षना के शिकार बने जबकि चामीरा ने पावरप्ले के अंतिम ओवर में हम्माद मिर्जा (09) का विकेट लिया।

वेस्टइंडीज के स्पिनरों ने इंग्लैंड के 6 बल्लेबाजों को किया आउट

हार के बाद बचाव में उतरे कप्तान हैरी ब्रुक

मुंबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाजों की टी20 विश्व कप के दौरान स्पिन गेंदबाजों को खेलने की कमजोरी भले ही खुलकर सामने आ गई हो लेकिन उसके कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि उनके बल्लेबाज स्पिनरों को खेलने में पूरी तरह से सक्षम है।

इंग्लैंड को अपने पिछले मैच में वेस्टइंडीज से 30 रन से हार का सामना करना पड़ा था। वेस्टइंडीज ने 6 विकेट पर 196 रन बनाए जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 19 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड के छह बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया।

जब ब्रुक से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ रहा है, तो उन्होंने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। ब्रूक ने इसके बजाय टी20 विश्व कप से ठीक पहले स्पिन गेंदबाजों की प्रमुखता वाली टीम श्रीलंका पर मिली 3-0 की जीत का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, श्रीलंका के खिलाफ उस श्रृंखला ने यह साबित कर दिया। मुझे लगा कि हमने वहां स्पिन गेंदबाजी का बहुत अच्छी तरह से सामना किया। उन्होंने (वेस्टइंडीज की) गेंदबाजी अच्छी की। उन्होंने पूरे समय खेल में अपनी पकड़ बनाए रखी। हमने एक साथ कई विकेट गंवाए, जिससे हमेशा नुकसान होता है।

कजाकिस्तान के अलीशेर नें जीता छोला ग्रैंडमास्टर्स शतरंज

चेन्नई (एजेंसी)। भारत में ज़्यादा से ज़्यादा ग्रैंडमास्टर बनाने के उद्देश्य से शुरू हुए प्रथम छोला शतरंज ग्रैंडमास्टर्स नॉर्म टूर्नामेंट का खिताब कजाकिस्तान के अलीशेर सुलेमेनोव नें अपने नाम कर लिया है। नौ राउंड के बाद अलीशेर 6 अंक बनाकर पहले स्थान पर रहे। आख़िरी राउंड में अलीशेर और औदी अमेय के बीच एक रोमांचक बाजी ड्रा रही और औदी अमेय 5.5 अंक बनाकर टाईब्रेक में तीसरे स्थान पर रहे हालांकि वह आधा अंक से ग्रैंडमास्टर नार्म से लेने से चूक गए। 5.5 अंकों पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर भारत के एथन वाज दूसरे स्थान पर रहे। क्यूबा के डेलगाड़ो रेमरीज़ 5 अंकों पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर चौंथे स्थान पर रहे जबकि इतने ही अंकों पर मयंक चक्रवर्ती और आरोण्यक घोष पाँचवें और छठे स्थान पर रहे। अन्य खिलाड़ियों पर फ्रांस के माहेल बॉयर 3.5 अंक बनाकर सातवे, फ्रांस के जोसफ गिरेल 3 अंक बनाकर आठवें, अक्षय बरगोंकर3 अंक बनाकर नौवे और हर्ष सुरेश 2.5 अंक बनाकर आख़िरी स्थान पर रहे।

व्यापार

रामदेव की कंपनी के मुनाफे में उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। योगगुरु रामदेव की कंपनी- पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का मुनाफा 60 प्रतिशत बढ़कर 593.44 करोड़ रुपये हो गया। पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 370.88 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। तिमाही के दौरान कंपनी की आय बढ़कर 10,541.12 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 9,020.38 करोड़ रुपये थी। इस तिमाही नतीजे के बाद अब कंपनी के शेयर गुरुवार को फोकस में रहेंगे। शेयर अभी 522 रुपये पर है। यह 480.70 रुपये के 52 वीक लो से रिकवरी के ट्रैक पर है। बता दें कि इसी फरवरी महीने में शेयर ने 52 वीक लो को टच किया था।

कंपनी के खाद्य, घरेलू और पर्सनल केयर उत्पादों सहित एफएमसीजी सेगमेंट ने 3,248.35 करोड़ की संयुक्त बिक्री दर्ज की, जो वार्षिक आधार पर 38.93 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 12.31 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दिखाता है। खाद्य तेल सेगमेंट ने 7,335.71 करोड़ का राजस्व अर्जित किया, जो वार्षिक आधार पर 8.98 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 5.22 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में कंपनी का निर्यात राजस्व 64.71 करोड़ रहा जबकि

नौ महीनों का निर्यात राजस्व 155.74 करोड़ था और इसने 36 देशों में सामान डिलीवर किए। विंड टरबाइन जेनरेशन ने इस तिमाही में 4.27 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। दिसंबर तिमाही के दौरान पाम ऑयल की कीमतों में सालाना आधार पर 12.63 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 3.7 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि पाम ऑयल का आयात 20 प्रतिशत कम हुआ और सोयाबीन तेल का आयात 20.23 प्रतिशत बढ़ा। सब्जियों और ईंधन की कीमतों में गिरावट और अनुकूल आधार प्रभाव के कारण मुद्रास्फीति में नरमी आई। बता दें कि पतंजलि फूड्स मुख्य रूप से खाद्य तेल बनाने वाली कंपनी है। खाद्य तेल के अलावा कंपनी कई अन्य खाद्य उत्पाद और उपभोक्ता सामान भी बेचती है। सोमवार को ब्लॉक डील के माध्यम से पतंजलि फूड्स के 53.6 लाख शेयर या 1.48 प्रतिशत इक्विटी बेचे गए। इसकी कुल कीमत 272 करोड़ थी। यह डील औसतन 509 प्रति शेयर के भाव पर हुई। दिसंबर तिमाही के अंत में प्रमोटर समूह पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की कंपनी में 29.6 प्रतिशत हिस्सेदारी थी जबकि अन्य प्रमोटर समूहों योगक्षेम संस्थान, पतंजलि परिवहन प्राइवेट लिमिटेड और पतंजलि ग्रामोद्योग नयस की क्रमशः 14.11 प्रतिशत, 13.49 प्रतिशत और 11.03 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत में, म्यूचुअल फंड की कंपनी में 3.32 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वहीं, बीमा कंपनियों की 9.72 प्रतिशत (जिसमें से एलआईसी की 9.13 प्रतिशत हिस्सेदारी थी) और जीक्यूजी पार्टनर्स इमर्जिंग मार्केट्स इक्विटी फंड की 3.7 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

बीमा उद्योग की कमीशन पर लगाम लगाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीमा नियामक इरडा ने बीमा कंपनियों के प्रमुखों के सामने गलत तरीके, झूठे वायदों के आधार पर बीमा पॉलिसी बेचने पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक, उनकी बैठक में जीवन बीमा कंपनियों ने स्थगित कमीशन भुगतान मॉडल का सुझाव दिया है। इसमें एजेंट को पूरा कमीशन एक साथ नहीं, बल्कि पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान दिया जाएगा।

बताया जा रहा है इन सुझावों में कॉरपोरेट एजेंट्स के लिए पांच साल और व्यक्तिगत एजेंट्स के लिए तीन साल का प्रस्ताव दिया गया है। इसका मकसद साफ है, बीमा पॉलिसी के गलत बिक्री रोकना, कंपनियों का खर्च घटाना और ग्राहकों को सस्ता, टिकाऊ बीमा देना। वैसे खास बात यह है कि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक और आर्थिक सर्वेक्षण में भी ऊंचे कमीशन पर सवाल उठाए गए थे।

बदलाव की जरूरत क्यों पड़ रही: एजेंट को पहले साल ही बहुत ज्यादा कमीशन मिल जाता है। इसी कारण से कई बार गलत पॉलिसी बेच दी जाती है। इससे बीमा कंपनियों का खर्च भी बढ़ जाता है।कई पॉलिसियां बीच में ही बंद हो जाती हैं। इरडा कमीशन को पॉलिसी की उम्र से जोड़ना चाहता है ताकि एजेंट जिम्मेदार बनें और ग्राहक को सस्ता, टिकाऊ बीमा मिले। डिफर्ड कमीशन का मतलब ये है कि बीमा एजेंट को पूरा कमीशन एक साथ नहीं मिलता, कमीशन पॉलिसी के साथ-साथ सालों में किस्तों में दिया जाता है। इससे एजेंट पॉलिसी को चालू रखने और ग्राहक की सेवा करने में ज्यादा रुचि लेता है।

पॉलिसी जितने लंबे समय तक चलेगी, एजेंट को उतना ही कमीशन मिलता रहेगा। शुरुआती सालों में थोड़ा ज्यादा और बाद के सालों में थोड़ा कम, लेकिन लगातार मिलता रहेगा। कमीशन भुगतान में यह अप्रत्याशित उछाल भारतीय बीमा सेक्टर के लिए बड़े जोखिम पैदा कर रहा है। कंपनियों का यह तर्क कि डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल के विकास के लिए उच्च कमीशन आवश्यक है। कमीशन पर कड़े और एकसमान सीमा लगाने से एजेंसी-आधारित नेटवर्क और बैंकएश्योरेंस पार्टनरशिप जैसे स्थापित डिस्ट्रीब्यूशन चैनलों को गंभीर झटका लग सकता है, जो बाजार तक पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण हैं। दोनों के लिए बिजनेस की मात्रा कम हो सकती है, जो बाजार को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा, पारंपरिक उत्पादों पर 60-70 प्रतिशत तक पहुंचने वाले अग्रिम कमीशन, गलत बिक्री और पॉलिसीधारकों के मूल्य के कमी की चिंताएं बढ़ाते हैं।

एलजी के शेयरों में भारी गिरावट, मुनाफा 61 प्रतिशत लुढ़का फिर भी 1700 के पार जाने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयरों में गुरुवार, 12 फरवरी को कारोबार के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट कंपनी की ओर से दिसंबर तिमाही (वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही) के नतीजे घोषित किए जाने के बाद आई। कंपनी के मुनाफे में सालाना आधार पर 61.58 प्रतिशत की भारी कमी आई है, जो घटकर सिर्फ 89.67 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने नियामक के पास दाखिल दस्तावेज में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि (अक्टूबर-दिसंबर 2024) में उसे 233.45 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस हिसाब से मुनाफे में भारी कमी साफ देखी जा सकती है।

रेवेन्यू लगभग स्थिर, खर्च में मामूली कटौती: दिसंबर तिमाही में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का रेवेन्यू ऑपरेशन लगभग पिछले साल के बराबर ही रहा। यह 4,114.4 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले यह 4,395.53 करोड़ रुपये था। वहीं, कंपनी के कुल खर्च में 2.77 प्रतिशत की सालाना कमी आई और यह 4,038.36 करोड़ रुपये पर आ गया। बता दें कि यह एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का शेयर बाजार में पिछले साल अक्टूबर में लिस्टिंग के बाद दूसरा तिमाही नतीजा है। कंपनी के घरेलू उपकरण और एयर सॉल्यूशंस

(एचएंडए) सेगमेंट के राजस्व में 9.8 प्रतिशत की गिरावट आई, जो 2,788.09 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी की आय रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरावट दिवाली के बाद मांग में नरमी के कारण आई। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स की तीसरी तिमाही के नतीजे उम्मीद से कमजोर रहे। इसकी वजह त्योहारी सीजन के बाद की सुस्ती और व्यापार व उपभोक्ता मांग में कमी बताई गई। रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी ने अपनी ब्रांड छवि बनाए रखने के लिए कीमतों में कटौती नहीं की, जिसका सीधा असर उसके मार्जिन पर पड़ा। साथ ही, बढ़ती कमोडिटी कीमतों और करेंसी में गिरावट ने भी मार्जिन पर दबाव बनाया। हालांकि, ब्रोकरेज फर्म ने कंपनी को लेकर सकारात्मक रुख बनाए रखा है। उसका कहना है कि एलजी की मजबूत ब्रांडिंग, प्रीमियम पोजिशनिंग और व्यापक वितरण नेटवर्क के दम पर बाजार में अग्रणी स्थिति बरकरार है। ऑफलाइन टीवी बाजार में कंपनी ने अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है, जिससे उसका दबदबा और मजबूत हुआ है। इसके अलावा, श्री सिटी में कंपनी का नया प्लांट वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही तक शुरू होने की उम्मीद है, जिससे सप्लाई चेन अधिक कुशल होगी और बाजार तक तेजी से पहुंच बनेगी। ब्रोकेज का मानना है कि मजबूत ब्रांड इक्विटी, वितरण क्षमता और बैकवर्ड इंटीग्रेशन के चलते एलजी मध्यम अवधि में लगातार वृद्धि और मार्जिन को बरकरार रखने में सक्षम है। फर्म ने 'खरीदें' की रेटिंग बरकरार रखते हुए डीसीएफ आधारित टार्गेट प्राइस घटाकर 1,746 रुपये कर दिया है, जो पहले 1,875 रुपये था।

फीकी हो रही चांदी की चमक

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा मार्केट में आज चांदी के भाव में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। चांदी की कीमत आज 5835 रुपये टूटकर 260614 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। जीएसटी समेत चांदी अब 268432 रुपये प्रति किलो पर है। इसके साथ ही चांदी अब 29 जनवरी के अपने ऑल टाइम हाई 385933 रुपये किलो से 125319 रुपये सस्ती हो चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी में गिरावट दर्ज की गई। जनवरी के रोजगार आंकड़े उम्मीद से बेहतर आने के बाद अमेरिकी डॉलर में मजबूती आई है, जिससे फेडरल रिजर्व द्वारा निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कमजोर हुई हैं। ग्लोबल मार्केट में स्पॉट सिल्वर में 1.4 फीसदी की गिरावट आई और यह 82.87 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि बुधवार को इसमें 4 फीसदी की तेजी आई थी। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स ने बुधवार की तेजी को बरकरार रखा। अमेरिका में हैरान कर देने वाली रोजगार रिपोर्ट ने दिखाया कि वहां की आर्थिक स्थितियां मजबूत बनी हुई हैं। आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में अमेरिका में रोजगार सृजन में अप्रत्याशित तेजी आई, वहीं बेरोजगारी दर घटकर 4.3 फीसदी पर आ गई। भू-राजनीतिक मोर्चे पर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ चर्चा के बाद कहा कि ईरान के साथ आगे बढ़ने के तरीके पर कोई अंतिम सहमति नहीं बनी है। हालांकि उन्होंने कहा कि तेहरान के साथ बातचीत जारी रहेगी ताकि किसी संभावित समझौते पर पहुंचा जा सके। रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के कार्यकाल के दौरान ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)